badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बढ़ती कलम

बिना फेवर, तीखे तेवर

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्ष: 15 अंक: 2 | गंगापुरसिटी. बुधवार 6 दिसम्बर, 2023 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा सोना

ये 63,805 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा, चांदी भी 77 हजार के पार निकली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना आज यानी सोमवार (4 दिसंबर) को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 1,077 रुपए महंगा होकर 63,805 रुपए पर बिक रहा है। इससे पहले 1 दिसंबर को सोने ने अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। तब इसकी कीमत 62,728 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, शादियों का सीजन शुरू हो चुका है, इसमें सोने की डिमांड बढ़ने लगी है। इसके अलावा चीन की रहस्यमयी बीमारी से भी लोगों में डर है। इससे सोने को सपोर्ट मिल रहा है। ऐसे में अगले एक साल में सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

चांदी भी 77 हजार के पार

चांदी में भी आज शानदार तेजी देखने को मिल रही है। ये 673 रुपए महंगी होकर 77,073 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 76400 रुपए पर थी। वहीं नवंबर में भी इसमें अच्छी तेजी रही थी।

शिमला में पिकअप खाई में गिरी 6 लोगों की मौत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला में सोमवार सुबह एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई। जिसमें जम्मू कश्मीर के 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को पहले सुन्नी अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद सभी को ढ्ढतस्ष्ट शिमला रेफर किया गया है।हादसा शिमला जिला के सुन्नी से लगभग 25 किलोमीटर दूर कुठारघाट जोलोग में हुआ। इस हादसे में जम्मू कश्मीर के रहने छह व्यक्तियों की जान गई है। 6 घायलों में 3 भी जम्मू के ही निवासी हैं।सूचना के अनुसार, कुठारघाट जोलोग से पिकअप गाड़ी सुबह के वक्त कश्मीरी मजदूरों को लेकर मंडी की ओर जा रही थी, जोकि सुन्नी को किंगल से जोड़ने वाले लिंक रोड पर सुबह 7 बजे कुठारघाट जोलोग में अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।स्थानीय लोगों ने इस हादसे की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से खाई में गिरी पिकअप से निकालकर घायलों को सड़क पर लाई। यहां से सभी को सुन्नी अस्पताल पहुंचाया।

तीन ने मौके पर ही तोड़ा दम-तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि तीन अन्य ने सुन्नी और IGMC शिमला ले जाते वक्त या अस्पताल में आखिरी सांस ली। पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवा रही है। इसके बाद उन्हें परिजनों को सौंपा जाएगा। बताया जा रहा है कि इस हादसे के मृतक व घायल सभी एक ठेकेदार के पास काम करते थे और सुबह भी काम पर ही जा रहे थे।

विधानसभा चुनाव परिणाम : सवाई माधोपुर की चार सीटों पर भाजपा-कांग्रेस बराबर

सवाई माधोपुर में सवाई माधोपुर व खंडार सीट पर खिला कमल

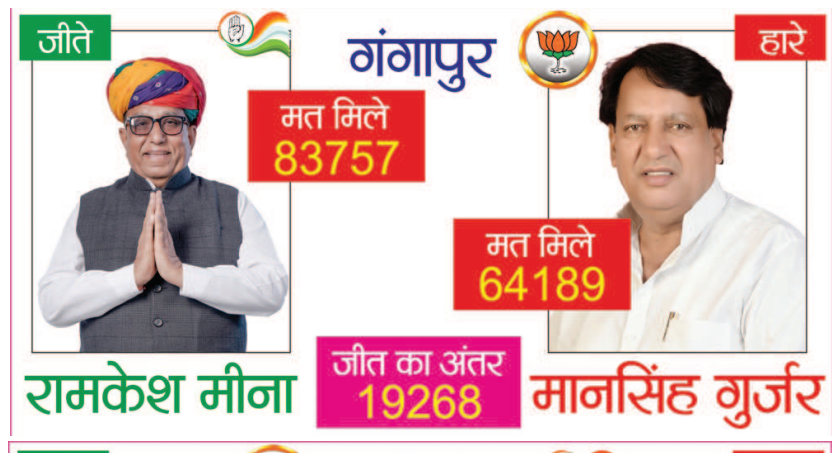

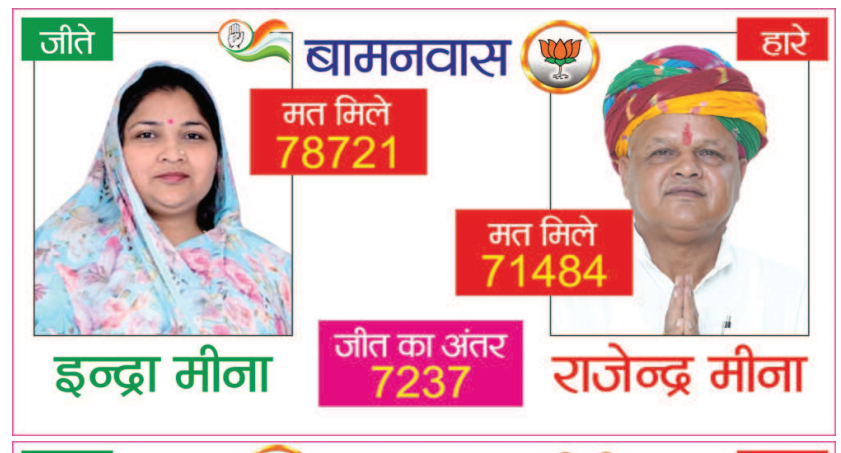

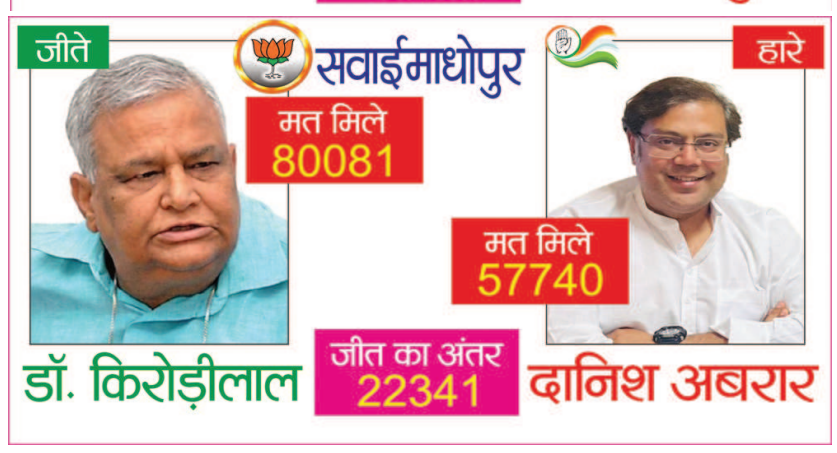

गंगापुर सिटी। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के अन्तर्गत सवाई माधोपुर एवं गंगापुर जिलों की चारों विधानसभाओं के हुए मतों की गणना रविवार को गणना प्रेक्षक गंगापुर रूही खान, बामनवास विजया कृष्णन, सवाई माधोपुर परिमल सिंह, खण्डार महेश कुमार चौधरी, जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ओला, रिटर्निंग अधिकारी गंगापुर सिटी राधेश्याम मीना, रिटर्निंग अधिकारी बामनवास अंशुल सिंह, रिटर्निंग अधिकारी सवाई माधोपुर अनिल चौधरी एवं रिटर्निंग अधिकारी खण्डार बंशीधर योगी की उपस्थिति में हुई। जिसमें गंगापुर सिटी से रामकेश मीणा 19268, बामनवास से इंदिरा मीणा 7865, सवाई माधोपुर से किरोड़ीलाल मीणा 22510 एवं खण्डार से जितेन्द्र कुमार गोठवाल 14 हजार 15 मतों से विजयी रहे।

जिला सवाई माधोपुर विधानसभा चुनाव परिणाम

गंगापुर सिटी विधानसभा : कांग्रेस प्रत्याशी रामकेश मीना ने भारतीय जनता पार्टी के मानसिंह गुर्जर को 19 हजार 268 मतों से पराजित किया। विधानसभा चुनाव में कुल 2 लाख 68 हजार 610 मतदाताओं में से 1 लाख 98 हजार 848 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। रामकेश मीना को 83 हजार 457 वोट मिले। वहीं मानसिंह गुर्जर को 64 हजार 189 वोट मिले। निर्दलीय छोटेलाल सैनी को 29 हजार 679 वोट मिले। आजाद समाज पार्टी के मुकेश कुमार बैरवा को 13 हजार 467, निर्दलीय रघुवीर प्रसाद मीना को 1675, बहुजन समाज पार्टी के रंगलाल मीना को 1648, निर्दलीय हरिमोहन को 940, आम आदमी पार्टी के घनश्याम को 862, जननायक जनता पार्टी के ओम प्रकाश को 600, निर्दलीय छोटे लाल मीना को 595, निर्दलीय धर्मराज बैरवा को 380, भारत आदिवासी पार्टी के विजेन्द्र को 374, निर्दलीय गोपाल भाई गुप्ता को 363, ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन पार्टी के पंखीलाल को 254, निर्दलीय प्रकाश को 230, निर्दलीय कृष्णकान्त को 135 एवं नोटा को 507 वोट मिले।

पोस्टल वोट्स- कांग्रेस के रामकेश को 1198, आम आदमी पार्टी के घनश्याम को 0, भारतीय जनता पार्टी के मानसिंह गुर्जर को 982, बहुजन समाज पार्टी के रंगलाल मीना को 15, जननायक जनता पार्टी के ओमप्रकाश को 1, ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन पार्टी के पंखी लाल को 5, आजाद समाज पार्टी के मुकेश कुमार बैरवा को 120, भारत आदिवासी पार्टी के विजेन्द्र को 2, निर्दलीय कृष्णकान्त को 0, गोपाल भाई गुप्ता को 6, छोटेलाल मीना को 6, छोटेलाल सैनी को 161, धर्मराज बैरवा को 0, प्रकाश को 0, रघुवीर प्रसाद मीना को 17, हरिमोहन को 2 एवं नोटा को 8 वोट मिली। वहीं 135 वोट रिजेक्ट हुए।

बामनवास विधानसभा : कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा मीना ने भारतीय जनता पार्टी के राजेन्द्र को 7 हजार 865 मतों से पराजित किया। विधानसभा चुनाव में 2 लाख 43 हजार 526 मतदाताओं में से 1 लाख 57 हजार 154 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

इंदिरा मीना को 80 हजार 378 मत मिले। वहीं राजेन्द्र को 72 हजार 513 मत मिले। बहुजन समाज पार्टी के मनोज कुमार को 1881, निर्दलीय विकास को 1750, श्यामलाल मीना को 632 एवं नोटा को 1556 वोट मिले।

पोस्टल वोट्स- कांग्रेस प्रत्याशी इन्द्रा मीना को 1657, बहुजन समाज पार्टी के मनोज 15, भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी राजेन्द्र को 1029, निर्दलीय विकास को 14, निर्दलीय श्यामलाल मीना को 4, नोटा में 4 एवं 160 निरस्त मत पड़े।

सवाई माधोपुर विधानसभा : भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी किरोड़ी लाल ने कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अबरार को 22 हजार 510 मतो से पराजित किया। विधानसभा चुनाव में कुल 2 लाख 56 हजार 555 मतदाताओं में से 1 लाख 82 हजार 658 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। किरोड़ी लाल को 81 हजार 87 वोट मिले। वहीं दानिश अबरार को 58 हजार 577 वोट मिले।

निर्दलीय आशा मीना बाडोलास को 36 हजार 251, आम आदमी पार्टी के मुकेश भू-प्रेमी को 1169, निर्दलीय डॉ. अजीजुद्दीन आजाद को 1072, निर्दलीय शहजादी बानो को 915, निर्दलीय आशा को 906, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया के प्रत्याशी भरतलाल को 761, बहुजन समाज पार्टी के बने सिंह विजोरिया को 698, ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन के जफर अहमद को 465, निर्दलीय मनोज कुमार रैगर को 447, इण्डियन पिपुल्स ग्रीन पार्टी के उत्तम कृष्णन को 195, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी के दीपक कुमार मीना को 115 एवं नोटा को 1470 वोट मिले तथा 160 निरस्त मत पड़े।

पोस्टल वोट्स- भारतीय जनता पार्टी के किरोड़ी लाल को 1006, कांग्रेस के दानिश अबरार को 837, बहुजन समाज पार्टी के बने सिंह विजोरियों को 1, आम आदमी पार्टी के मुकेश भू-प्रेमी को 8, इण्डियन पीपुल्स ग्रीन पार्टी के उत्तम कृष्णन को 1, ऑल इण्डिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन पार्टी के जफर अहमद को 8, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी दीपक कुमार मीना को 0, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया के भरतलाल को 2, निर्दलीय डॉ. अजीजुद्दीन आजाद को 14, आशा को 28, आशा मीना बाडोलास को 385, मनोज कुमार रैगर को 3, शहजादी बानो को 0, नोटा को 6 एवं 160 वोट निरस्त हुए।

खंडार विधानसभा : भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार गोठवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी अशोक को 14 हजार 15 मतों से पराजित किया। विधानसभा चुनाव में कुल 2 लाख 47 हजार 830 मतदाताओं में से 1 लाख 78 हजार 197 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। जितेन्द्र कुमार गोठवाल को 92 हजार 59 वोट मिले।

वहीं अशोक को 78 हजार 44 वोट मिले। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की अंकिता वर्मा को 2 हजार 394, आम आदमी पार्टी के मनफूल बैरवा को 1 हजार 992, बहुजन समाज पार्टी के मोहन को 1 हजार 165, निर्दलीय मोलाराम बैरवा को 1003, निर्दलीय विजेन्द्र सिंह को 265, निर्दलीय अशोक कुमार बैरवा को 595 एवं नोटा को 2 हजार 56 वोट मिले तथा 118 मत निरस्त हुए।

पोस्टल बैलेट- राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की अंकिता वर्मा को 13, कांग्रेस के अशोक को 997, भारतीय जनता पार्टी के जितेन्द्र कुमार गोठवाल को 720, आम आदमी पार्टी के मनफूल बैरवा को 3, बहुजन समाज पार्टी के मोहन को 5, निर्दलीय अशोक कुमार बैरवा को 4, मोलाराम बैरवा को 1, विजेन्द्र सिंह को 0 एवं नोटा को 7 वोट मिले तथा 118 वोट रिजेक्ट हुए।

तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिए पर खड़ा किया : ओएसडी गहलोत

सीएम गहलोत के ओएसडी ने गहलोत पर ही दिया करारा बयान, कांग्रेस की हार के लिए ठहराया जिम्मेदार

गंगापुर सिटी। राजस्थान में कांग्रेस को बीजेपी से करारी पराजय का सामना करना पड़ा है। राज्य के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि, लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप है और जनादेश शिरोधार्य है, विनम्रता से स्वीकार है। इसके साथ-साथ उन्होंने कांग्रेस की हार के लिए अशोक गहलोत को जिम्मेदार ठहराया।

लोकेश शर्मा ने लिखा है कि-मैं नतीजों से आहत जरूर हूं, लेकिन अचंभित नहीं हूं। कांग्रेस पार्टी राजस्थान में निःसंदेह रिवाज़ बदल सकती थी लेकिन अशोक गहलोत जी कभी कोई बदलाव नहीं चाहते थे। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि अशोक गहलोत जी की शिकस्त है। गहलोत के चेहरे पर उनको फ्री हैंड देकर, उनके नेतृत्व में पार्टी ने चुनाव लड़ा और उनके मुताबिक प्रत्येक सीट पर वे स्वयं चुनाव लड़ रहे थे। न उनका अनुभव चला, न जादू...और हर बार की तरह कांग्रेस को उनकी योजनाओं के सहारे जीत नहीं मिली और न ही अथाह पिंक प्रचार काम आया।

शर्मा ने कहा कि, तीसरी बार लगातार सीएम रहते हुए गहलोत ने पार्टी को फिर हाशिए पर लाकर खड़ा कर दिया। आज तक पार्टी से सिर्फ लिया ही लिया है लेकिन कभी अपने रहते पार्टी की सत्ता में वापसी नहीं करवा पाए गहलोत.. आलाकमान के साथ फ़रेब, ऊपर सही फीडबैक न पहुंचने देना, किसी को विकल्प तक न बनने देना, अपरिपक्व और अपने फायदे के लिए जुड़े लोगों से घिरे रहकर आत्ममुग्धता में लगातार गलत निर्णय और आपाधापी में फैसले लिए जाते रहना, तमाम फीडबैक और सर्वे को दरकिनार कर अपनी मनमर्जी और अपने पसंदीदा प्रत्याशियों को उनकी स्पष्ट हार को देखते हुए भी टिकट दिलवाने की जिद...शर्मा ने कहा कि ये नतीजे तय थे। मैं स्वयं मुख्यमंत्री को यह पहले बता चुका था। कई बार आगाह कर चुका था लेकिन उन्हें कोई ऐसी सलाह या व्यक्ति अपने साथ नहीं चाहिए था जो सच बताए।

गंगापुर सिटी में पहली बार पांच दिवसीय वीरांगना प्रशिक्षण शिविर 27 से

सभी समाज की महिलाएं पहली बार सीखेंगी व्यक्तित्व निखार और आत्मरक्षा के गुर

गंगापुर सिटी। जिला आर्य वीर दल गंगापुर सिटी की ओर से पांच दिवसीय गैर आवासीय वीरांगना प्रशिक्षण शिविर 27 से 31 दिसंबर तक कल्याण मंदिर के पास स्थित बजाजा ट्रस्ट मैरिज हॉल में सुबह 7 से शाम 7 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

शिविर संयोजक विश्वबंधु आर्य व सुमन आर्य ने बताया कि आर्य वीर दल की ओर से जिला मुख्यालय पर इस प्रकार का शिविर पहली बार आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी समाज की बालिकाएं व महिलाएं भाग लेंगी। शिविर की तैयारियों के संबंध में शनिवार को आर्य समाज मंदिर में बैठक आयोजित की गई जिसमें पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

कार्यक्रम सह संयोजक रेणु आर्य व संजय आर्य ने बताया कि 27 दिसंबर को सुबह 7 बजे शिविर उदघाटन व ध्वजारोहण होगा। शिविर का समापन 31 दिसंबर को सुबह 9 बजे किया जाएगा। प्रचार प्रसार समिति संयोजक वीरेंद्र आर्य के अनुसार शिविर में 12 से 30 वर्ष तक की बालिका व महिलाएं ही हिस्सा ले सकेंगी।

शिविर में आत्मरक्षा, शारीरिक, बौद्धिक एवं आत्मिक उन्नति के लिए योगासन, प्राणायाम, दण्ड बैठक, सूर्य नमस्कार, ध्यान, यज्ञ, जूडो कराटे, संगत तथा बौद्धिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक में मदनमोहन आर्य, पूनम खंडेलवाल, ऊषा, मिथलेश, मंजू गुप्ता, मंजू मेडी, सुनीता आर्य, सुधा आर्य, बबीता जिंदल, देवेंद्र आर्य, संतोष मसावता, राजेश आर्य, मनोज आर्य, शुभम आर्य, गिरीश आर्य, सीमा आर्य, नरेंद्र आर्य, अभिषेक बंसल, आशुतोष आर्य, शारदा देवी, ओमप्रकाश, बबीता, कछियालाल बजाज, हेमलता अग्रवाल आदि मौजूद थे।

सम्पादकीय

2023 के नतीजों ने भाजपा के लिए आसान की 2024 की राह

रविवार को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के जो परिणाम घोषित हुए हैं, वे भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्साहजनक हैं। भाजपा ने न केवल मध्य प्रदेश में चार कार्यकाल की सत्ता विरोधी रुझानों के बावजूद बिना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए शानदार ढंग से सत्ता में वापसी की है, बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीन ली है। कह सकते हैं कि राजस्थान में पांच वर्ष पर सत्ता बदलने का पुराना रिवाज है, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल द्वारा चलाई गई तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद भाजपा ने सत्ता हासिल की है। दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा की कोई खास पैठ नहीं है, इसलिए तेलंगाना में मुख्य लड़ाई के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस (पहले टीआरएस) और कांग्रेस के बीच थी। चूंकि वहां केसीआर के रवैये और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण बीआरएस के खिलाफ जबर्दस्त सत्ता विरोधी रुझान था, इसलिए वहां सत्ता हासिल करना कांग्रेस के लिए आसान हो गया। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वहां पार्टी का संगठन भी अपेक्षाकृत मजबूत है।इन चारों राज्यों के जनादेश का अगर विश्लेषण करें, तो एक बात पूरी तरह से स्पष्ट है कि हिंदी भाषी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की पकड़ बहुत मजबूत है। यह इससे भी स्पष्ट है कि वर्ष 2018 में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के तुरंत बाद 2019 में हुए चुनावों में इन राज्यों में भाजपा ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार तो इन राज्यों में भाजपा ने जीत दर्ज की है, इसलिए 2024 में उसके लिए जीतना और आसान होगा। इसका एक मतलब यह भी निकाला जा सकता है कि जहां-जहां कांग्रेस और भाजपा में सीधी टक्कर होती है, संगठन और चुनावी मशीनरी के मामले में काफी कमजोर होने के कारण कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से पिछड़ जाती है और जहां कांग्रेस का मुकाबला क्षेत्रीय पार्टियों से होता है, वहां उसे सफलता मिलती है। दूसरी बात यह है कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता आज भी बरकरार है। इन सभी राज्यों में भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था और मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा गया था। बेशक इन चुनावों में भाजपा की जीत के पीछे और भी कई मुद्दे थे, लेकिन नरेंद्र मोदी का चेहरा एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। जाहिर है, मतदाता उन पर भरोसा करते हैं। बूथ स्तर तक भाजपा का संगठन मजबूत है और पार्टी की चुनावी मशीनरी हमेशा सक्रिय रहती है। लोकसभा चुनाव में भी नरेंद्र मोदी और भी मजबूती के साथ पार्टी का चेहरा बनकर उभरेंगे। कांग्रेस ने बेशक राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सत्ता गंवा दी है, फिर भी इन राज्यों में कांग्रेस का पूरी तरह से सफाया नहीं हुआ है। तेलंगाना में उसने जीत हासिल की है। राजस्थान में, जहां हरेक पांच साल सरकार बदले जाने का रिवाज है, लग रहा था कि कांग्रेस बीस-पच्चीस सीटों से ज्यादा जीत नहीं पाएगी, लेकिन अशोक गहलोत 69 सीटें पाने में कामयाब रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस के प्रदर्शन में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत धीमी है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, दोनों जगह कांग्रेस का सॉफ्ट हिंदू कार्ड नहीं चला। इन चुनावों में महिलाएं एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरीं। मध्य प्रदेश में भाजपा की लाडली बहना योजना का शिवराज सिंह चौहान को बहुत फायदा मिला। इसका यह भी मतलब है कि मोदी की भाजपा को टक्कर देना या 'इंडिया' गठबंधन के इतने दलों के बीच उसकी बराबरी करने में भी अभी कांग्रेस को काफी मुश्किलें होंगी। अगर कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव जीत जाती, तो 'इंडिया' गठबंधन में सीटों के बंटवारे में मुश्किल होती। पर अब गठबंधन के दलों को कांग्रेस से सौदेबाजी करने में आसानी होगी। भाजपा के खिलाफ विपक्ष की ओर से एक उम्मीदवार खड़ा करने की नीति को लोकसभा चुनाव में अगर प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया, तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। 'इंडिया' गठबंधन में मोदी जैसे लोकप्रिय चेहरे के मुकाबले में कोई एक चेहरा नहीं है। इसके अलावा, गठबंधन के दलों का संगठन भी कमजोर है। बहरहाल, 'इंडिया' गठबंधन को अब लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गंभीर होना पड़ेगा, नहीं तो लड़ाई मुश्किल होगी। इन नतीजों को देखकर निर्णायक रूप से यह नहीं कहा जा सकता कि ऐसे ही नतीजे 2024 में भी होंगे, लेकिन इसका असर लोकसभा चुनाव पर पड़ना लाजिमी है। अब देखने वाली बात होगी कि भाजपा इन राज्यों में नए चेहरों को नेतृत्व सौंपती है या पुराने चेहरे को ही नेतृत्व सौंपती है। क्या मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को हटाया जाएगा? वैसे भी लोकसभा चुनाव में अब बहुत दिन नहीं रह गए हैं, इसलिए चेहरे बदलने के भी अपने जोखिम हैं। लेकिन पार्टी यह जोखिम उठा सकती है, क्योंकि उसके पास मोदी जैसा लोकप्रिय चेहरा है।

5 राज्यों के विधानसभा चुनावों का असर पड़ेगा राज्यसभा चुनावों पर

अभी-अभी सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगामी लोकसभा चुनावों पर असर पड़ेगा या नहीं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा; लेकिन इन चुनावों का 2024 में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों पर अवश्य ही असर पड़ेगा। खासकर मध्यप्रदेश में भारी जीत से भाजपा को राज्यसभा में अतिरिक्त ताकत मिलेगी। यही नहीं भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए एकजुट हो रहे ''इंडिया गठबंधन'' पर इन चुनावों का असर दिखाई देगा। इधर बदली हुई परिस्थितियां में बीआरएस को भी एनडीए के पक्ष में लाया जा सकता है। हालांकि राज्यसभा में अब बीआरएस की ताकत कम हो जाएगी। एनडीए की ताकत बढ़ने से आने वाले महीनों में राज्यसभा में कुछ विवादास्पद विधेयकों को पारित करने में आसानी होगी।

राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़ेगी-

संसद के उच्च सदन में अगले वर्ष अप्रैल में 65 सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, इसलिए 245 सदस्यीय राज्यसभा का द्विवार्षिक अगले साल की शुरुआत में ही इस सदन का चुनाव होना है जो कि सदस्यों के 6 साल का कार्यकाल पूरा होने पर होता है। राज्यसभा चुनाव में विधानसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही विधायकों के मत मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इससे ही तय होगा कि किस पार्टी के कितने सदस्य चुने जाएंगे। जाहिर है जिस पार्टी को ज्यादा सीटें मिलेंगी उस पार्टी के मत मूल्य अधिक होंगे और उसी पार्टी से राज्यसभा सदस्य चुना जाएगा। इधर, पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों से अगले साल की शुरुआत में राज्यसभा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ताकत में और वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फैली 19 सीटों पर राजनीतिक समीकरण अब बदल गए हैं। अब एनडीए, जिसके पास पहले से ही उच्च सदन में 123 का बहुमत है, उसकी संख्या में वृद्धि तय है। बढ़ी ताकत से उसे संवैधानिक संशोधन सहित कुछ महत्वपूर्ण कानून पारित करने में मदद मिलेगी।

केन्द्रीय मंत्रियों की राह हुई आसान

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, एल मुरुगन (दोनों मध्य प्रदेश से), भूपेन्द्र यादव (राजस्थान), वी मुरलीधरन (महाराष्ट्र) और राजीव चन्द्रशेखर (कर्नाटक) अप्रैल 2024 में राज्यसभा में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। इनका इन विधानसभाओं में दोबारा चुनाव होना तय है। मध्य प्रदेश में पांच सीटें खाली होनी हैं। उपरोक्त दो मंत्रियों के अलावा, राजमणि पटेल और कैलाश सोनी (दोनों कांग्रेस) भी सेवानिवृत्त होंगे। एक सीट के लिए 46 विधायकों के वोटों की जरूरत है, ऐसे में कांग्रेस को इन दो सीटों में से केवल एक ही सीट मिलने की संभावना है। एक अन्य राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह (भाजपा) भी अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और भाजपा इस सीट को बरकरार रखेगी।

> "संसद के उच्च सदन में अगले वर्ष अप्रैल में 65 सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, इसलिए 245 सदस्यीय राज्यसभा का द्विवार्षिक अगले साल की शुरुआत में ही इस सदन का चुनाव होना है जो कि सदस्यों के 6 साल का कार्यकाल पूरा होने पर होता है। राज्यसभा चुनाव में विधानसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही विधायकों के मत मूल्य का निर्धारण किया जाता है। इससे ही तय होगा कि किस पार्टी के कितने सदस्य चुने जाएंगे।

बीआरएस को एक झटका और लगेगा-

उच्च सदन में बीआरएस को अब बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि पार्टी के बीएल यादव, जे.संतोष कुमार और आर वद्दीराजू अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और अप्रैल में होने वाले चुनाव में पार्टी को केवल एक सीट मिलेगी। बाकी दो सीटों पर कांग्रेस को फायदा होगा। इसके अलावा, कर्नाटक से चार सीटें खाली होंगी जहां कांग्रेस ने इस साल मई में सरकार बनाई थी। कांग्रेस से जीसी चन्द्रशेखर, एल हनुमंथैया, सैयद नासिर हुसैन और केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। राज्य में भाजपा के साथ मिलकर अलग हुई राकांपा और शिवसेना की सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र से राज्यसभा में सदस्यों की संख्या में भी बदलाव हो सकता है। एनडीए को उच्च सदन में महाराष्ट्र से अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने की संभावना है। 245 सदस्यों वाले सदन में जहां 123 बहुमत का आंकड़ा है, बीजेपी के पास 94 सदस्य हैं और उसे बीजेडी और वाईएसआरसीपी से मुद्दा-आधारित समर्थन मिलेगा।

अभी मध्य प्रदेश की 11 में से 8 सीटें भाजपा के पास

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में इस बार भाजपा को 163 सीटें मिली हैं। जबकि साल 2018 के चुनाव में भाजपा को केवल 109 सीटें मिलीं थी। बाद में ज्योर्तिआदित्य सिंधिया के अपने साथी विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाने से भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया था और कमलनाथ की सरकार गिर गई थी, इसलिए भाजपा के 4 सदस्य राज्यसभा के लिए चुने गए थे। जबकि एक सदस्य कांग्रेस की ओर से जीता था। भाजपा की ओर से धर्मेंद्र प्रधान, कैलाश सोनी, अजय प्रताप सिंह और थावरचंद गेहलोत चुने गए थे। जबकि कांग्रेस की ओर से राजमणि पटेल चुने गए थे। अब इन सभी सदस्यों का कार्यकाल 2 अप्रैल 2024 को खत्म होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के कोटे में 11 राज्यसभा सीटें हैं. इसमें वर्तमान में बीजेपी के पाले में 8 सदस्य हैं जबकि कांग्रेस के पास केवल तीन सदस्य हैं. इसमें दिग्विजय सिंह, राजमणि पटेल और विवेक तन्खा शामिल हैं। इसमें राजमणि की सदस्यता 2 अप्रैल 2024 को खत्म हो जाएगी। जबकि दिग्विजय सिंह की सदस्यता 21 जून 2026 को खत्म हो रही है। इसके अलावा विवेक तन्खा की सदस्यता 29 जून 2028 तक है।

समीकरण बदलेंगे और विवादास्पद बिल आसानी से पास होंगे

विधानसभा चुनाव परिणाम अक्सर राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं। कई राज्यों में किसी विशेष पार्टी का मजबूत प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति को मजबूत करता है। दरअसल, यह बढ़ी हुई ताकत उन्हें राज्य विधानसभाओं पर अपने प्रभाव के माध्यम से राज्यसभा में अधिक सीटें हासिल करने में मदद कर सकती है। यदि चुनाव परिणामों के कारण किसी भी राज्य में गठबंधन सरकार बनती है, तो इससे राजनीतिक दलों के बीच रणनीतिक गठबंधन या पुनर्गठन हो सकता है, जिससे राज्यसभा में उनकी सामूहिक ताकत पर असर पड़ सकता है। सदस्यों की पर्याप्त संख्या राज्यसभा विधेयकों को पारित करने और विधायी कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि राज्य चुनावों के कारण राज्यसभा की संरचना में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होता है, तो यह केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रमुख कानूनों के पारित होने या उसमें रुकावट को प्रभावित कर सकता है। राज्य विधानसभा चुनावों के परिणामों के आधार पर पार्टियां अपने गठबंधनों और रणनीतियों पर पुनर्विचार कर सकती हैं। यह पुनर्मूल्यांकन उन गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है जो वे राज्यसभा चुनाव से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बनाते या तोड़ते हैं।

-डॉ. सुमनलता शर्मा

जनतंत्र की चाल पर ...कुछ संदेश इधर भी

दो चीजें अनंत हैं : एक ब्रह्माण्ड और दूसरी इंसानों की मूर्खता। और हां, मैं ब्रह्मांड के बारे में जरूर पक्का नहीं हूं। -अल्बर्ट आइंस्टीन का विचार

आइंस्टीन ने अपनी रिलेटिविटी थ्योरी में एक गलती की, उन्होंने क्वांटम मैकेनिक्स में अनिश्चितता का सिद्धांत शामिल नहीं किया। भगवान भी इस सिद्धांत को तोड़ नहीं सकता। -स्टीफन हॉकिंग का प्रति-विचार

इन दोनों वैज्ञानिक कथनों का कल के चुनाव परिणामों से क्या सम्बन्ध है? क्या उतना ही, जितना एग्जिट पोल के मनोरंजन और वास्तविक आंकड़ों के बीच है? या फिर न हॉकिंग, न आइंस्टीन- दरअसल यह अपनी-अपनी कामनाओं से भरे विशिष्ट व्यक्तियों का समूह गान है, जो सुनने के लिए हम सब धीरे-धीरे अभ्यस्त होते जा रहे हैं? वरिष्ठ पत्रकार कमर वहीद नकवी ने कहा ही है, ये कांग्रेस की हार पर जो विश्लेषण अब आ रहे हैं, वे तब क्यों नहीं आए, जब टिकट बंट रहे थे, जब प्रचार चल रहा था, जब वोट पड़ चुके थे और जब एग्जिट पोल भी आ चुके थे। जब नतीजे आ गए, तो चारों तरफ विश्लेषण ही विश्लेषण दिख रहे हैं। आंकड़ों का गलत होना और चौंकाने वाले नतीजों का आना कोई नई बात नहीं है। खासतौर से तब, जबकि हर कोई पूरी रिपोर्ट के बाद लिख दे- देखते हैं ऊंट किस करवट बैठता है। (ऊंट पर सब डालकर भार-मुक्त होना भी एक आर्ट होती होगी।) मगर नतीजों से पहले तक हर कोण से यह सिद्ध करने की कोशिश करना कि यही होने जा रहा है- जबकि वास्तविकताएं विपरीत हों- यह नई बात है। कहीं-कहीं तो यह भी कह दिया गया था कि जनता ने मूर्खताएं न कीं, तो सही नतीजे आ जाएंगे। यानी मन मुताबिक न हो, तो जनता ही मूर्ख ठहरी। यह एक अनूठा सिद्धांत है, जो हर मैथ के भक्तों की नई पांत ने हाल में प्रस्थापित किया है। दिलचस्प यह है कि इस सिद्धांत को अलग-अलग जगह चयनित रूप से लागू किया जाता है।

मुफ्त की चीजें बांटने का सिद्धांत हो या अदाणी नामक मुहावरे का इस्तेमाल, अलग-अलग जगहों से पर अलग अलग जेबों से ये रूमाल निकलते हैं। यहां तक कि %हिंदू राष्ट्र% और %सनातन की सेवा% भी सुविधानुसार हर तरफ से हो रही है। जब नैरेटिव बनाने की कला पर सर्वाधिक समय, श्रम और धन खर्च होने लगे, तो संदेह का विचित्र वातावरण बन जाता है और कोहरे में पहाड़ भी नहीं दिखाई देते। इसीलिए, कल सुबह-सुबह उठकर राष्ट्र के नाम सन्देश की तरह ट्वीट करने वाले दोपहरी तक दर्शनशास्त्र की पंक्तियां कहने लगे। शाम आते-आते उन्हीं विचारों में परब्रह्म विराजमान हो गए। दरअसल चुनाव तो राजनीतिक दलों द्वारा लड़े जाते हैं। समकालीन परिस्थितियां, वैचारिक संघर्ष, देश का मिजाज दलों की अंदरूनी परिस्थितियां, नेतृत्व की रणनीति और जन-विश्वास की गारंटी इसके मुख्य कारक होते हैं। जनता का मन जानना एक गहरी निरपेक्षता से ही संभव है। इमर्जेन्सी के बाद चुनाव हुए, तो उसी विश्वास की नब्ज पर हाथ रखते हुए विद्वान संपादक श्रृंखला लिख सकते थे-कि-इन्हें वोट क्यों न दें! क्योंकि उसमें समग्र विश्वास की गारंटी थी, चयनित विचारों का प्रोपोगेंडा नहीं। जब क्षरित विश्वास के वातावरण में मुद्राओं का बाजार गर्म होने लगे, तो प्रतिमाएं गढ़ी जाने लगती हैं, जो थोड़े-थोड़े समय में अपने ही अंतर्विरोधों से टूटकर बिखरती भी जाती हैं। फिर-फिर प्रतिमाएं बनाई जाती हैं और फिर-फिर इस पर कथित विश्वास का नृत्य-निर्देशन संपन्न होता है। यह क्रम चलता रहता है और उसे ही सिद्धांत का रूप दे दिया जाता है। इतना सुनियोजित कि यह अचानक सत्य की खुदाई किताब लगने लगता है। मगर, अंततः होता क्या है? जैसा कि एक अन्य साथी ने कहा, यदि आप तीन राज्यों में भाजपा की जीत और एक राज्य में कांग्रेस की जीत पर ताली बजा रहे हैं, तो आप पत्रकार नहीं, कुछ और हैं। अगर आप तीन राज्यों में कांग्रेस की हार पर आंसू बहा रहे हैं, तो भी आप पत्रकार नहीं, कुछ और हैं। ताली और आंसू विशेषज्ञों और विचारकों का काम नहीं है। यदि आप थर्मामीटर हैं, तो उबलते पानी में डूबने पर सही तापमान ही बता सकते हैं, बर्फ नहीं। अन्यथा, या तो थर्मामीटर खराब है या जहां डुबोया गया है, वहां पानी ही नहीं है।

नतीजों का संदेश, नेतृत्व की विश्वसनीयता से जीते जाते हैं चुनाव

तीन राज्यों में भाजपा की जीत अनायास नहीं है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा के मजबूत संगठन, बेहतर चुनावी प्रबंधन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा काम कर गया। भाजपा ने मध्य प्रदेश में प्रतिष्ठान विरोधी कारक को मात दी। वहीं कांग्रेस से उसके प्रमुख राज्य राजस्थान के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी छीन लिया। कांग्रेस ने भले ही भाजपा के दक्षिण में प्रवेश का एक और प्रयास तेलंगाना में विफल कर दिया। लेकिन इसके साथ राजस्थान व छत्तीसगढ़ गंवाने का सौदा फायदे का तो नहीं लगता।

नतीजों का असर 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओं पर असर

इन नतीजों का असर 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओं पर निश्चित ही पड़ेगा। इन चुनावों में कांग्रेस तेलंगाना में एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराने में तो सफल रही, लेकिन कुल मिलाकर भाजपा के आगे कमजोर साबित हुई। मध्य प्रदेश में कांग्रेस प्रतिष्ठान विरोधी नाराजगी का लाभ उठाना तो दूर, भाजपा की झोली में तूफानी जीत डाल गई। दिग्गज नेताओं की गुटबाजी में भाजपा को मौका हाथ लग गया।

गहलोत वहां सचिन पायलट से खींचतान की खाई नहीं पाट सके

राजस्थान में जमकर विज्ञापनबाजी, योजनाओं और तोहफों की झड़ी लगाने के बावजूद मतदाताओं का विश्वास अशोक गहलोत नहीं जीत पाए। महज विज्ञापनबाजी से चुनाव नहीं जीते जा सकते। नेतृत्व की विश्वसनीयता भी होनी चाहिए। गहलोत वहां सचिन पायलट से खींचतान की खाई नहीं पाट सके। चुनावी मैदान में डटे कार्यकर्ताओं के साथ ही मतदाताओं में इसका जो भी संदेश गया, वह नतीजों में साफ दिख गया। राजस्थान के विपरीत मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को लेकर मतदाताओं में विश्वास पैदा कर गए। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें अपना चेहरा नहीं बनाया, लेकिन वे जीत के शिल्पकार साबित हुए।

एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार के सबक सामने हैं

जीत के बाद चौहान ने श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। मत फीसद के लिहाज से कांग्रेस को खास नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ओबीसी, आदिवासी व कुछ अन्य मत आखिरी दौर में भाजपा की ओर मुड़ गए और सीटों के स्तर पर गणित बदल गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान- उत्तर भारत के इन तीनों अहम राज्यों में कांग्रेस के नेता अपनी खुमारी में डूबे रहे और भाजपा उनकी नाक के नीचे से फेरबदल करा ले गई। कांग्रेस को मिली हार के सबक सामने हैं।

कांग्रेस ने इन चुनावों से पहले जाति जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और यहां तक कि ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राज्य छत्तीसगढ़ तक में यह दांव नहीं चल सका। राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया और कांग्रेस पार्टी ने जाति सर्वेक्षण करवाने की गारंटी दी। उत्तर भारत में जाति कड़वी सच्चाई है। राजनीति में जाति की जकड़ तो बहुत मजबूत है। लेकिन चुनाव नतीजों ने बता दिया कि जनता जाति नहीं देखती है जब मोदी का चेहरा नजरों के सामने हो।इन चुनावों के दम पर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में भी अपना सिक्का जमाना चाहती थी। वह साबित करना चाहती थी कि अगर भाजपा का मुकाबला करना है तो वह कांग्रेस ही कर सकती है और कांग्रेस की मदद से ही भाजपा को 2024 में हराया जा सकता है। अब कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती होगी, विपक्षी इंडिया गठबंधन में उन दलों को सहेजना जिनसे उसने इन चुनावों में दूरी बनाई थी। मध्य प्रदेश में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और राजस्थान में अशोक गहलोत ही एक तरह से कांग्रेस नेतृत्व बनकर सामने थे। ऐसा लगा नहीं कि राष्ट्रीय स्तर की एक पार्टी चुनाव में उतरी है। इसके उलट भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बनाकर तीनों राज्यों में पेश किया। यह बड़ा दांव था, जो चल गया। **-अजय अग्रवाल**

विधानसभा चुनाव परिणाम और कांग्रेस

क्या एक राष्ट्रीय दल लगातार होती पराजय से सीख लेगा?

यह बात तो खैर अपने स्तर पर वैचारिक स्तर-हीनता को प्रश्रय देने जैसी होगी कि कांग्रेस इस सबसे कोई सबक लेगी। फिर भी सच यह कि इस दल के लिए एक बार फिर दिल से सोचने का समय आ गया है कि वह किस दिशा में जा रहा है। शायद विचार के केंद्र में यह सवाल प्रमुख रहेगा कि उसे किस तरफ ले जाया जा रहा है। वह भी हांकने के अंदाज में। छत्तीसगढ़ और राजस्थान से इतर यदि केवल मध्यप्रदेश की बात करें तो ही स्थिति को साफ समझा जा सकता है।

कांग्रेस के हिस्से में एक बार फिर आई बड़ी हार कई दिशा में ध्यान खींचती है। चुनाव के पहले से ही यह साफ था कि कमलनाथ ने पूरे अभियान की कमान अपने हाथ में ले ली है। वह हाथ भी ऐसा कि उसमें पंजे की संभावनाओं का जैसे कोई स्थान ही नहीं बचा था। निश्चित ही कमलनाथ ने एक जगह जोरदार विजय हासिल की। वह पार्टी के आलाकमान को अपने आगे नतमस्तक करने में सफल रहे। सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा जैसे कांग्रेस के कथित दमदार चेहरों की इस चुनाव में नाथ के आगे कोई बिसात ही नहीं दिखी। बस सियासी बिसात पर नाथ अपने हिसाब से मोहरे बिछाते चले गए। नेतृत्व मजबूर है। उसकी अपनी सीमा रेखा है।

उसे आज पार्टी के प्रति नहीं, बल्कि परिवार के प्रति निष्ठा वाले लोगों की बड़ी आवश्यकता है। यह उसके लिए अनिवार्यता बन गया है, इसीलिए तो यह हुआ कि पार्टी के हित को हिट करते हुए अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट और भूपेश बघेल

बनाम एमएस सिंहदेव के प्रकरण में नेतृत्व ने घुटने टेकने में कोई संकोच नहीं किया। शीर्ष की इस कमजोरी और परिवार से नजदीकी ही नाथ ने भी फायदा उठाने में कोई चूक नहीं की।

शायद घर के अंदर की इस जीत ने ही कमलनाथ के भीतर वह आत्मविश्वास पनपा दिया कि चुनाव को लेकर वह कहीं 'वन मैन आर्मी' तो कभी-कभी 'लोन वूल्फ' वाली शैली में भी आगे बढ़ने से पीछे नहीं रहे। तीन राज्यों के इस राजहठ को अपने हित और हक में प्रश्रय देने की कांग्रेस की नीति का यह नतीजा हुआ कि आज वह हिंदी-भाषी राज्यों में केवल हिमाचल प्रदेश तक सिमट कर रह गयी है। यै तो गनीमत है कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की पिता-पुत्री वाली युति के परिवारवाद ने इस राज्य में कांग्रेस को जीत का अवसर दे दिया, वरना तो आज पंजे की लकीरों से एक और राज्य के लिए राजयोग का चिन्ह भी मिट गया होता। यह सवाल उठाने का भी कोई अर्थ नहीं है कि अंततः कौन, किस तरीके से पनौती साबित हुआ है।

सार समाचार

राजस्थान की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों पर किया विश्वास : नितिनभाई पटेल

जयपुर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने पर गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजस्थान के सह-प्रभारी नितिन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन के चलते भाजपा को विधानसभा चुनावों में जीत मिली है। प्रदेश की जनता ने गहलोत सरकार की गारंटियों को नकार कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को चुना और भाजपा पर विश्वास जताया। चुनाव के लिए जुटे हुए सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई।

राजस्थान के सह-प्रभारी नितिन पटेल ने भाजपा की इस सफलता के लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, केंद्रीय मंत्री एंव प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, सह-प्रभारी विजया राहटकर, चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया और सभी प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं सहित प्रदेश के मतदाताओं का आभार प्रकट किया।

दीया ने सबसे बड़ी और पटेल ने सबसे छोटी जीत दर्ज कराई

जयपुर, (कासं)। सोलहवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा की दीया कुमारी ने 71 हजार 368 मतों से चुनाव जीत कर प्रदेश में रिकॉर्ड बनाया है। इस चुनाव की यह सबसे बड़ी जीत है। दूसरी बड़ी जीत चौरासी विधानसभा क्षेत्र में भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत ने दर्ज कराई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 69 हजार 166 मतों से हराया। इन चुनावों में सबसे छोटी जीत कोटपूतली में भाजपा के हंसराज पटेल ने दर्ज कराई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को मात्र 321 मतों से हराया। कुछ अन्य सीटों पर भी कड़ा मुकाबला रहा, जहां जीत-हार का अंतर एक हजार से कम मतों से रहा। कठूमर से भाजपा के रमेश खींची ने 409, उदयपुरवाटी से कांग्रेस के भगवानाराम सैनी ने 419, थानागाजी से कांग्रेस के कांतिप्रसाद मीणा ने 479, जहाजपुर से भाजपा के गोपीचंद मीणा ने 580, नोहर से भाजपा के अमित चाचाण ने 895 और जयपुर के हवामहल क्षेत्र से भाजपा के बाल मुकुंदाचार्य ने 974 मतों से जीत दर्ज कराई है।

वंदे मातरम संस्थान ने नुक्कड़ नाटक से वृक्षारोपण के लिए किया लोगों को जागरूक

जयपुर, (कासं)। वन्दे मातरम संस्थान एवं एनटीपीसी के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन जागरण अभियान चलाया गया।

वन्दे मातरम संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि इस अभियान में जयपुर के 250 स्थानों पर कुल 20,000 पेड़ लगाए जायेंगे। वृक्षारोपण से पूर्व इस अभियान में जयपुर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेज, मंदिर, पर्यटक स्थल एवं सार्वजनिक स्थलों पर कुल 50 नुक्कड़ नाटक शो का आयोजन करवाया गया। जिसमें नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी को पेड़ लगाने एवं पेड़ों के रखरखाव हेतु जनजागरण किया गया। साथ ही लगातार हो रही पेड़ों की कटाई रोकने के लिए आमजन को जागरूक किया। जिस प्रकार पेड़ो को लगातार काटा जा रहा है एवं पेड़ों की कमी से वातावरण पर जो दुष्प्रभाव पड़ रहा हैं उसके बारे में जागरूक किया गया। सभी को इस अभियान में जुड़ कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आव्हान किया गया। वृक्षारोपण के पश्चात् उनके रखरखाव हेतु जागरूक भी किया गया।

हार से खफा राजस्थान भाजपा नेता सतीश पूनिया ने आमेर छोड़ने का फैसला किया

जयपुर, (कासं)। आमेर विधानसभा में अपनी हार से निराश भाजपा के उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने सोमवार को घोषणा की कि वह भविष्य में इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उन्होंने एक्स पर कहा, यह मेरे लिए परीक्षा की घड़ी है। परिस्थितियों ने मुझे भविष्य में आमेर से चुनाव न लड़ने का फैसला करने के लिए मजबूर किया है। मैं अपने फैसले के बारे में पार्टी नेतृत्व को भी सूचित करूंगा और उनसे यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए योग्य व्यक्तियों को नियुक्त करने का अनुरोध करूंगा।

उन्होंने आगे कहा, लोकतंत्र में जनता पवित्र होती है। मैं आमेर की जनता के फैसले को स्वीकार करता हूं। मैं कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार प्रशांत शर्मा को बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह विकास को इसी तरह गति देते रहेंगे और आमेर की और जनभावनाओं का सम्मान करेंगे।

मेरा आमेर के साथ 10 साल से मजबूत रिश्ता है। मैं पार्टी के निर्देश पर 2013 में चुनाव लड़ने आया था। मैं सिर्फ 329 वोटों से हार गया था। भाजपा सरकार के दौरान हमने यहां विकास को मुद्दा बनाकर काम किया था। हालांकि लोग कहते हैं कि बड़ी जातियों के जाल में जाति से ऊपर उठकर किसी के लिए विकास के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल है। हमने 2013-2018 में कोशिश की और थोड़ा सफल रहे। विकास कार्यों से लेकर कोरोना के दौरान सेवा कार्यों तक लोगों में विश्वास पैदा करने का प्रयास किया गया है। शायद हम लोगों को समझाने में विफल रहे।卐उन्होंने कहा कि चुनाव में जीत और हार एक सिक्के के दो पहलू हैं इस हार ने उन्हें आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है। पूनिया ने कहा, यह एक झटके की तरह है। हमने सपना देखा था कि आमेर इस बार अपनी रीति-नीति बदलेगा। हम सब मिलकर कार्यकर्ताओं का सम्मान और सरकार के माध्यम से जनता के लिए उत्कृष्ट कार्य करके इसे आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, यह समय मेरे लिए एक कठिन परीक्षा की तरह है। चुनाव से पहले भी पूनिया अपनी विधानसभा सीट बदलकर झोटवाड़ा और सांगानेर से चुनाव लड़ना चाहते थे।

लेकिन कथित तौर पर केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें इजाजत नहीं दी। सिर्फ नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को ही अपनी सीट बदलने की छूट दी गई।

इस बार राठौड़ ने चूरू विधानसभा की बजाय तारानगर विधानसभा से चुनाव लड़ा था। इसके बावजूद वह हार गये।

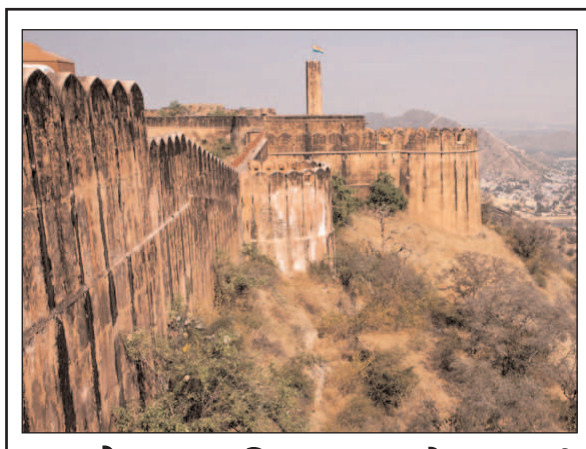

9 और 10 दिसंबर को पहली बार द जयगढ़ फेस्टिवल

जयपुर, (कासं)। अरावली पहाड़ियों के बीच बसा प्रतिष्ठित जयगढ़ फोर्ट, एक पर्यटन स्थल के रूप में जनता के लिए खोले जाने के 4 शानदार दशकों का जश्न मनाने के लिए 9 और 10 दिसंबर को पहली बार %द जयगढ़ फेस्टिवल% का आयोजन करने जा रहा है। यह अपनी तरह का ऐसा पहला और अनुठा फेस्टिवल होगा, जो कि राजस्थान की विरासत, कला और शिल्प के संरक्षण और प्रोत्साहन देने पर आधारित है। जयगढ़ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संरक्षित इस अनमोल धरोहर , अर्थात् जयगढ़ फोर्ट, का उद्घाटन स्वर्गीय ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, जयपुर, एमवीसी ने 1983 में किया था। फेस्टिवल के बारे में बात करते हुए, जयपुर के पद्मनाभ सिंह ने कहा, जयगढ़ ने सदियों की वीरता और सांस्कृतिक समृद्धि देखी है, और इस विरासत को साझा करना और उसके वैभव का उत्सव मनाना हमारी जिम्मेदारी है। यह फेस्टिवल हमारी पहचान को परिभाषित करने वाली विरासत, कला और शिल्प को प्रदर्शित करने और विविध दर्शकों के साथ जुड़ने का एक मंच है। %द जयगढ़ फेस्टिवल% का एक मुख्य आकर्षण हेरिटेज आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स मास्टरक्लास वर्कशॉप्स हैं, जहां शाही %गुणीजनखाना% के प्रसिद्ध कारीगर राजस्थान की जटिल विरासत कला और शिल्प का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न कार्यशालाएं का आयोजन करेंगे। इसमें लोक प्रस्तुतियां और %पॉप-अप्स% भी होंगे, जो राजस्थान की जीवंत संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे, जिससे राज्य की कलात्मक परंपराओं की झलक मिलेगी। फेस्टिवल में विशेष रूप से क्यूरेटेड फोर्ट वॉक आगंतुकों को जयगढ़ के ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। फेस्टिवल में इतिहास, कला, वास्तुकला और अन्य विरासत विषयों पर विशेषज्ञ द्वारा पैनल चर्चा और वार्ता भी आयोजित होंगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रकार के व्यंजनों और शिल्प-आधारित उत्पादों के साथ एक फेस्टिवल बाजार भी लगेंगे। फेस्टिवल के पहले दिन, 9 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे राज परिवार के सदस्य द्वारा दीप प्रज्वलन किया जाएगा। इसके पश्चात, कला एवं शिल्प कार्यशालाएं व %डेमोस्ट्रेशन%, टॉक शो, फोर्ट वॉक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुरुचि शर्मा की फिल्म %मीन राग% की स्क्रीनिंग होगी। वहीं फेस्टिवल के दूसरे दिन, 10 दिसंबर को समापन समारोह आयोजित होगा, जिसमें शास्त्रीय, लोक प्रस्तुतियां का प्रदर्शन और कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात दिन में एक कला प्रदर्शनी और फेस्टिवल बाज़ार का भी आयोजन होगा। फेस्टिवल में स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्र, शिक्षाविद, कलाकार, कला प्रेमी, संगीत प्रेमी, इतिहास प्रेमी, वास्तुकला प्रेमी, शॉपर्स, संस्कृतिकर्मी और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति भाग लेंगे।

सिटी पैलेस में खुली 'रथ खाना' ट्रांसपोर्ट गैलरी

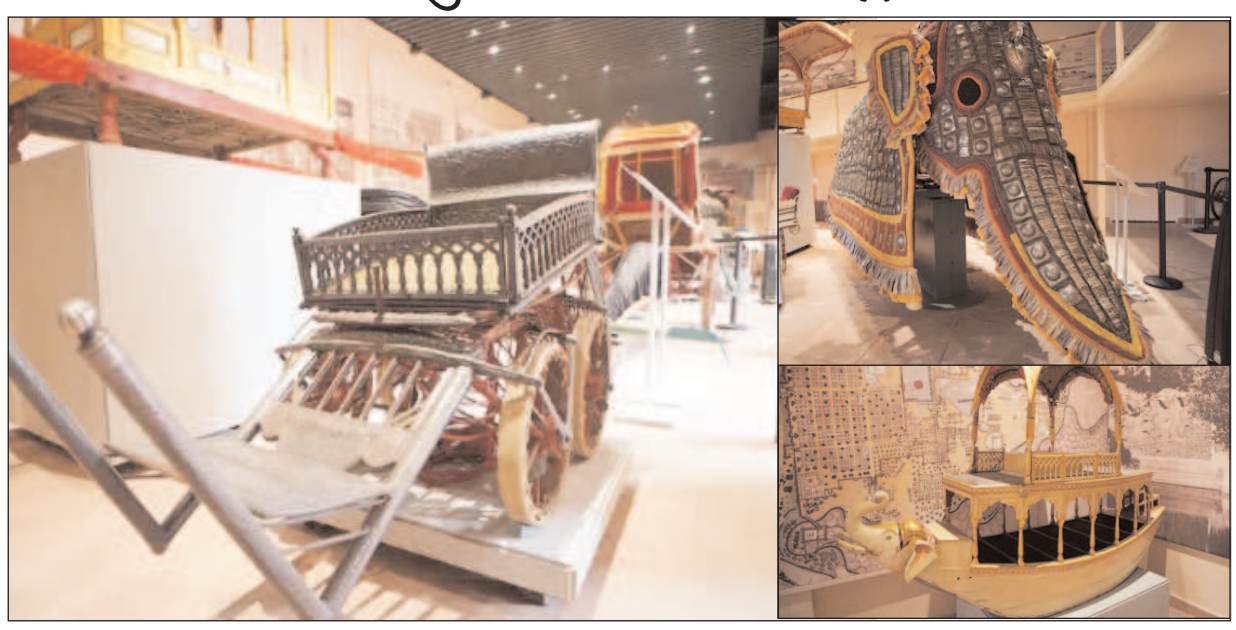

जयपुर, (कासं)। ट्रांसपोर्ट (परिवहन) ने राजपूत शासकों को मित्र-राष्ट्रों से भेंट करने, शिकार करने, तीर्थयात्रा पर जाने, युद्ध छेड़ने और अपने क्षेत्र में औपचारिक परेड के माध्यम से अपने शासन का दावा करने में सक्षम बनाया। सिटी पैलेस में अपनी तरह की एक अनूठी ट्रांसपोर्ट गैलरी - रथ खाना खोली गई है, जिसमें विभिन्न ट्रांसपोर्ट के साधनों के माध्यम से पूर्व शासकों की शक्ति, तीर्थयात्रा और उनके अनुभवों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

गैलरी में प्रदर्शित ट्रांसपोर्ट में 19वीं शताब्दी की जल झुलनी नाव जिस पर जल झुलनी एकादशी पर तालकटोरा झील पर कृष्ण की मूर्ति को सवारी कराई जाती थी; 18वीं-19वीं सदी का एक पोर्टेबल सिंहासन %तख्त-ए-रावण%, जिसका उपयोग विशेष अवसरों पर शासक को ले जाने के लिए किया जाता था; 18वीं सदी की हाथ से बनाई गई चांदी की %कार्ट% जो विलासिता का प्रतीक है; महाराजा सवाई माधो सिंह द्वितीय की 20वीं सदी की बग्गी और हाथी कवच का सूट आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि %रथ खाना% - ट्रांसपोर्ट गैलरी सिटी पैलेस में गेट नंबर 2 के पास स्थित है और महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय के हिस्से के रूप में आगंतुकों के देखने के लिए उपलब्ध है।

महाधिवक्ता राज्यपाल को सौंप दिया अपना इस्तीफा

जयपुर, (कासं)। राजस्थान में गहलोत सरकार को चुनाव में मिली हार के बाद इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया है। सबसे पहला इस्तीफा कल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ही दिया था। अब एक और शख्स ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया जो मंजूर भी हो गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अब उनकी सरकार में महाधिवक्ता रहे महेंद्र सिंह सिंघवी ने भी इस्तीफा दे दिया है। सिंघवी ने सोमवार को राजभवन जाकर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाक़ात की और महाधिवक्ता पद से अपना इस्तीफा सौंपा। वहीं राज्यपाल ने उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार भी कर लिया। गौरतलब है कि सिंघवी ने प्रदेश के 18वें महाधिवक्ता के तौर पर ज़िम्मा संभाला हुआ था। उन्होंने हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कई महत्वपूर्ण मामलों में राज्य सरकार और सीएम अशोक गहलोत के पक्ष में विधिक पैरवी की थी। यहां तक कि वर्ष 1998 में सांसद चुनाव को नेता जसवंत सिंह विश्नोई की चुनौती संबंधी याचिका में सीएम गहलोत की पैरवी की थी। वहीं वर्ष 2004 में भी गहलोत के चुनाव से जुड़ी एक याचिका में उन्होंने पैरवी की थी। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी जोशी की एक वोट से हारने के मामले पर जोशी की याचिका में भी पैरवी की थी। सिंघवी के पिता स्वर्गीय मख्खूरमल सिंघवी भी हाईकोर्ट के प्रसिद्ध अधिवक्ता रहे थे।

राष्ट्रपति ने नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को दिया 'सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' राष्ट्रीय पुरस्कार

जयपुर, (कासं)। विश्व दिव्यांगता दिवस पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विज्ञान-भवन, नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए %सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति% श्रेणी में यह अवार्ड अग्रवाल को दिया गया। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की। इस दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले, प्रतिमा भौमिक और ए.नारायणस्वामी की गरिमामयी उपस्थित रही। दिव्यांगों के कल्याणार्थ निस्वार्थ भाव से बेमिसाल सेवाओं के लिए अग्रवाल का चयन किया गया। प्रशांत अग्रवाल दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए आवासीय विद्यालय, व्यवसायिक पुनर्वास केंद्र व सहायक उपकरणों के वितरण के लिए अग्रणी रहे है। राष्ट्रपति ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति जब उन्हें सम्मानित कर रही थी उस समय सभागार में उपस्थितजनों ने भी उनका करतल ध्वनि से अभिनंदन किया। राष्ट्रपति ने सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर के लिए डॉ. आप्टे सुभाष, दिव्यांगों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता का पुरस्कार अमेजन इंडिया और सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन के लिए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण निदेशालय मध्यप्रदेश सहित विभिन्न श्रेणियों में 30 से अधिक पुरस्कार दिये ।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा यह सम्मान उन दिव्यांग भाई-बहिनों का है जिनके जीवन में खुशी आई और संस्थान से लाभान्वित हुए। संस्थान संस्थापक चेयरमैन कैलाश मानव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा यह पुरस्कार हमें ओर कर्तव्यनिष्ठा और नम्रतापूर्वक सेवा करने की प्रेरणा देता रहेगा।

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर (राज.) दिव्यांगता और मानवता के क्षेत्र में सन 1985 से सेवारत है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल का जन्म 21 सितंबर 1973 को उदयपुर में हुआ। उन्होंने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की। बाल्यकाल से ही अपने पिता का सानिध्य पाकर उनके पद चिन्हों पर चलने की ठानी। किसी प्यासे को पानी, भूखे को भोजन और बीमार को दवा देने के लिए तत्पर रहते हैं। अग्रवाल के नेतृत्व में 4 लाख 45 हजार से ज्यादा दिव्यांगों की सफल सर्जरी हुई है। करीब 40 हजार ऐसे दिव्यांग जो दुर्घटना में हाथ-पैर खो चुके है उन्हें कृत्रिम अंग लगाए हैं। दिव्यांग बंधु-बहिनों का पूर्ण पुनर्वास देने के लिए कंप्यूटर, मोबाइल, सिलाई प्रशिक्षण देते हैं। करीब 10 हजार जन की जिंदगी बदली है। 2300 से ज्यादा जोड़ों का सामूहिक विवाह कर उनकी गृहस्थी बसाई गई है। अग्रवाल की प्रेरणा और प्रयासों से दिव्यांग खेल अकादमी की स्थापना हुई और 5 बार राष्ट्रीय स्तर की स्वीमिंग, ब्लाइंड क्रिकेट, व्हीलचेयर क्रिकेट और शारीरिक दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन हुआ है। जिसका गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना है। दिव्यांग जन सशक्तिकरण के लिए सतत चिंतन देश और समाज के लिए मानक और प्रेरणादायी बनता जा रहा है। वर्ष 2017 में राजस्थान सरकार ने भी अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता का पुरस्कार से नवाजा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने की ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेज की समीक्षा

रोगियों को सुरक्षित एवं सुगम रक्त आपूर्ति के लिए बनेगा एक्शन प्लान ब्लड बैंकों के सुचारू संचालन के लिए बनाई जाएंगी दो उप समितियां

जयपुर, (कासं)। प्रदेश में रोगियों को रक्त एवं रक्त अवयवों (प्लाजमा, प्लेटलेट्स, पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, क्रायोप्रोसिपिटेट) की सुगम एवं सुरक्षित उपलब्धता के लिए एक्शन प्लान बनाया जाएगा एवं दो उप समितियां (रेगुलेटरी एवं टेक्नीकल) गठित की जाएंगी। यह कमेटियां प्रदेशभर में ब्लड बैंकों का भारत सरकार की गाइडलाइन अनुसार सुचारू संचालन सुनिश्चित करेंगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेज एवं राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रोगियों को सुगमतापूर्वक एवं सुरक्षित रूप से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए जल्द एक्शन प्लान बनाया जाए। उन्होंने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एक स्टेट नोडल ऑफिसर नियुक्त करने एवं जोनल स्तर पर संबंधित मेडिकल कॉलेज की जोन स्तरीय कमेटी द्वारा नियमित समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए।

गाइडलाइन के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई: सिंह ने कहा कि ब्लड की सुचारू एवं सुरक्षित उपलब्धता रोगी के जीवन से जुड़ा अहम विषय है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में स्थापित सभी ब्लड बैंकों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए और तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी ब्लड बैंक निर्धारित प्रोटोकॉल या गाइडलाइन का उल्लंघन करे तो सख्त कार्रवाई की जाए।

ई-रक्त कोष पर आवश्यक रूप से अपडेट हो प्रदेश का डेटा : अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि आम नागरिक तक रक्त की सुगम आपूर्ति के लिए ई-रक्त कोष पोर्टल के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल एवं 181 हैल्पलाइन के माध्यम से भी इस संबंध में आमजन को जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने ई-रक्त कोष पोर्टल पर प्रदेश का डेटा आवश्यक रूप से अपडेट करने एवं रक्तदान तथा रक्त की उपलब्धता के लिए एक एप भी तैयार कराने के निर्देश दिए।

सिंह ने कहा कि पुराने ब्लड बैंकों की नियमित मॉनिटरिंग करने के साथ ही नए लाइसेंस देते समय भारत सरकार की गाइडलाइन की पूर्णत: पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेज के सुदृढ़ीकरण के लिए मानव संसाधन की उपलब्धता के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी प्रदान किए।

आईएफएससी गिफ्ट सिटी ने विदेशी मुद्रा लिस्टिंग को सक्षम किया

आईएफएससी एक्सचेंजों का कारोबार 67.3 अरब डॉलर तक पहुंचा

गिफ्ट सिटी ने भारतीय वित्त कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए द्वार खोला

जयपुर (कासं)। गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंशियल टेक (गिफ्ट) सिटी में इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) में विदेशी मुद्रा पर भारतीय कंपनियों की सीधी लिस्टिंग जल्द हो सकती है।पीएमओ की मंजूरी का इंतजार है और अधिसूचना जल्द ही जारी हो सकती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय रिजर्व बैंक;आरबीआईद्ध के साथ समन्वय करने वाले कार्य समूह की सिफारिशें भी अगले 10.15 दिनों में जारी की जाएंगी। गिफ्ट सिटी में व्यापार करने का स्पष्ट लाभ है क्योंकि सभी व्यापार डॉलर-मूल्यवर्ग में होते हैं। इससे विदेशी निवेशकों को मुद्रा रूपांतरण और हेजिंग से संबंधित अतिरिक्त लागत से छुटकारा मिलता है।

अंतरराष्ट्रीय विस्तार: सितंबर 2023 में IFSC अंतर्राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंजों पर मासिक कारोबार 67.3 बिलियन था। ढ्ढस्नस्ष्ट में स्थापित ।ष्ठ् के माध्यम से किए गए निवेश से आय मुक्त हैए जिससे निवेशकों को करों से बचाया जा सकता है। जब विदेशी मुद्रा में वित्तीय सेवाएं प्रदान करने की बात आती तो आईएफएससी को एक ऐसा क्षेत्राधिकार माना जाता है जो शेष भारत से अलग है। एबांस ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष का कहना हैं किए मुझे लगता है कि गिफ्त सिटी में भारतीय वित्तीय सेवा उद्योग को आगे बढ़ाने की क्षमता है। गिफ्ट सिटी अच्छी स्थिति में है और इसके नियम उद्यमियों के लिये पर्याप्त लचीलापन प्रदान करते हैं। इस उद्देश्य से हमने गिफ्ट सिटी में एक श्रेणी III एआईएफ की स्थापना की है जिसका वर्तमान में एयूएम लगभग 20 मिलियन अमरीकी डालर है। एआईएफ द्वारा जुटाए गए धन को एफपीआई के रूप में भारतीय बाजार में निवेश किया जाता है।

टेक्स्ट नेक की समस्या से हैं परेशान, तो ये एक्सरसाइज दे सकती हैं आपको राहत

मोबाइल या लैपटॉप पर लगातार काम करने के कारण गर्दन में दर्द के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो ये एक्सरसाइज जरूर करें।टेक्स्ट नेक वह पेन है जो हर समय गर्दन में रहता है। टेक्स्ट नेक की समस्या में गर्दन थोड़ी आगे की ओर झुकी हुई हो जाती है जिसकी वजह से पीछे की तरफ रीढ़ की हड्डी में उधार हो जाता है। टेक्स्ट नेक में बैक बोन स्ट्रक्चर में बदलाव के कारण गर्दन, सिर, पीठ व कंधों में हर समय दर्द रहता है। इस कारण मांसपेशियों में जकड़न भी हो जाती हैं। इससे निजात पाने का सबसे अच्छा उपाय है व्यायाम। जानते हैं उन एक्सरसाइज के बारे में जो गर्दन की इस दर्दनाक समस्या से निजात दिला सकती हैं।

कोरोना महामारी के समय में बढ़ गई है यह समस्या-इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर, कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स डॉ हरप्रीत सिंह के अनुसार इस महामारी के दौर में यह समस्या बढ़ी है, क्योंकि अधिकांश लोगों का काम ऑनलाइन और पूरे दिन का शेड्यूल फोन या लैपटॉप के साथ बीतता है।जिसके कारण गर्दन में दर्द होने लगता है। जिसे हम टेक्स्ट नेक के नाम से जानते हैं। अगर आप कुछ एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करती हैं तो इस दर्द से आपको राहत मिल सकती है।

तो आइए जानते हैं वह 5 एक्सरसाइज जिनसे आपकी समस्या दूर होगी

1 **डाउनवार्ड फेसिंग डॉग** -यह एक्सरसाइज चेस्ट वॉल और कंधों को थोड़ा ओपन करने में लाभदायक मानी जाती है। यह आसन आपकी अपर बॉडी की स्ट्रेंथ के लिए ही है। इसे करने के लिए आपको अपने हाथ और पैरों को जमीन पर ले आना है।अपने पैरों को टक करें और हिप्स को ऊपर की ओर उठाएं, ताकि आपकी हिप्स बोन छत की ओर जा सके। अब अपनी हील को मैट की ओर लेकर आएं, अपने सिर को नीचे की ओर ले कर जाएं, अपनी कलाइयों पर अधिक प्रेशर न पड़ने दें। इसी अवस्था में कुछ लंबी लंबी सांसे ले।

2 **कैट कॉउ पोज** -इस पोज के कारण आपका पेल्विस थोड़ा टिल्ट हो जाता है। इसको करने के लिए आपको अपने चारों पैरों और हाथों को जमीन पर लाना है और शुरुआत में अपने पेट को अंदर की ओर सांस लेते हुए अंदर खींच ले ताकि आप जिस अवस्था में थी उससे थोड़ी सी छत की ओर जा सकें और इसके कुछ क्षणों बाद आपको वापिस से शुरुआत की अवस्था में आ जाना है।

3 **चिन टक**-यह एक बहुत सी आसान सी और सिंपल एक्सरसाइज है जो आप कहीं पर भी बैठ कर कर सकती हैं। इसे आप अपने काम करते समय भी कर सकती हैं। यह एक प्रकार की स्ट्रेचिंग होती है ताकि आपका सिर वापिस से सही स्थान पर सेट हो सके और आपकी गर्दन में अधिक दर्द न हो पाए। इस अवस्था में आने के लिए आपको नीचे बैठ जाना है और आपको अपनी ठुड्डी को अपनी गर्दन की ओर दबाने की कोशिश करनी है ताकि पीछे से आपकी गर्दन स्ट्रेच हो सके। ऐसे ही कुछ समय के लिए रहें।

4 **बो पोज**-यह एक्सरसाइज आपके कंधों के लिए अधिक लाभदायी होती है और यह उन्हें अच्छे से स्ट्रेच होने में भी मदद करती है।।इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको सबसे पहले एक मैट पर पेट के बल लेट जाना है और अपनी ठुड्डी को और सिर को जमीन से ऊपर उठा लेना है। इस दौरान आपको पीछे से अपने पैरों को भी ऊपर की ओर उठाना है और अपने हाथों से अपनी कमर के ऊपर पैरों को पकड़ने की कोशिश करनी है।

5 **पदहस्तासन**-यह आसन आपकी गर्दन और हैमस्ट्रिंग को स्ट्रेच करने के लिए काफी अधिक लाभदायक होता है। इसे करने के लिए आप सबसे पहले अपने जूते निकाल दें। अब आपको अपने पैरों को अलग अलग करना है ताकि उनके बीच में कंधे जितना गैप रह सके। अब ऊपर से अपने हाथों को नीचे लाएं और अपने पैरों या जमीन को छूने की कोशिश करें। अब अपनी उंगलियों को अपने तलवे के नीचे दबा कर रखें। कुछ समय बाद रिलैक्स हो जाएं। यह सारी एक्सरसाइज आपकी टेक्स्ट नेक वाली समस्या से राहत दिलाने में मदद करेंगी। इस के अलावा भी आप कुछ टिप्स का ध्यान रखें जैसे अपने फोन पकड़ने की अवस्था को बदल ले, अगर लंबे समय तक फोन पर काम है तो बीच बीच में कुछ समय के ब्रेक लें, अगर आप को यह सारी टिप्स अपनाने के बाद भी दर्द रहता है और लंबे समय तक

मोबाइल या लैपटॉप पर लगातार काम करने के कारण गर्दन में दर्द के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो ये एक्सरसाइज जरूर करें।टेक्स्ट नेक वह पेन है जो हर समय गर्दन में रहता है। टेक्स्ट नेक की समस्या में गर्दन थोड़ी आगे की ओर झुकी हुई हो जाती है जिसकी वजह से पीछे की तरफ रीढ़ की हड्डी में उधार हो जाता है। टेक्स्ट नेक में बैक बोन स्ट्रक्च र में बदलाव के कारण गर्दन, सिर, पीठ व कंधों में हर समय दर्द रहता है।

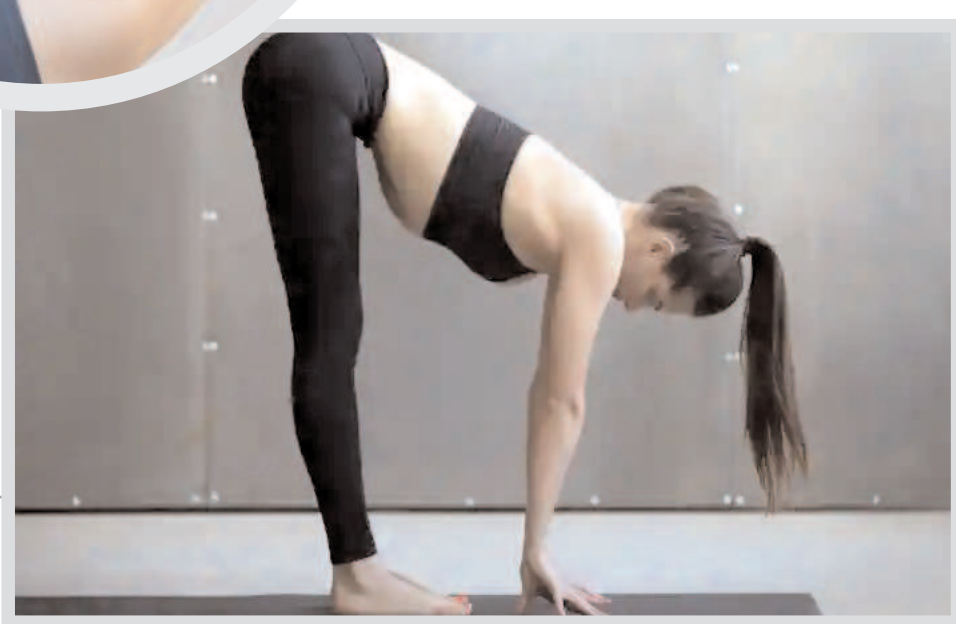

तनाव आपके पीरियड्स को और भी मुश्किल भरा बना देता है

महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव और अनहेल्दी लाइफस्टाइल तनाव का कारण सिद्ध होते हैं। जानते हैं कि कैसे तनाव पीरियड साइकिल को बना देता है जटिल और खुद को इससे बचाने के लिए क्या करें। पीरियड्स के दिनों में महिलाओं को कई समस्याओं से होकर गुज़रना पड़ता है। अगर आप तनाव में है, तो ये समस्याएं विकराल रूप धारण कर लेती है। दरअसल, छोटी छोटी बातों पर होने वाला तनाव हमारे जीवन को कई प्रकार से प्रभावित करता है। महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव और अनहेल्दी लाइफस्टाइल भी तनाव का कारण सिद्ध होते हैं। जानते हैं कि कैसे तनाव पीरियड साइकिल को बना देता है जटिल और खुद को इससे बचाने के लिए क्या करें । एनसीबीआई के अनुसार हाइपोथैलेमस मस्तिष्क का वो हिस्सा है जो पीरियड्स को नियंत्रित रखता है। स्लीप, एक्सरसाइज और फैमिली प्रोबलम्स को लेकर बेहद सेंसिटिव रहता है। अगर हाइपोथैलेमस पूर्ण रूप से अपना फंक्शन करता है, तो उससे रिलीज़ होने वाले कैमिकल्स पिट्यूटरी ग्रंथि को स्टीम्यूलेट करता है।इससे बॉडी में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन प्रोडयूस होते हैं। वहीं जब आप तनाव में होते हैं। उस वक्त शरीर में कोर्टिसोल की मात्रा बढ़ जाती है। जो ओवरी और पिट्यूटरी गलैंण्ड को प्रभावित करता है। इससे पीरियड साइकिल गड़बड़ा जाती हैं।

ब्लड फ्लो का कम होना-अगर आप तनाव में रहती हैं, तो उसका असर ब्लड फ्लो पर भी दिखने लगता है। इससे न केवल आपकी पीरियड साइकिल डिस्टर्ब होती है बल्कि बल्ड फ्लो भी नियमित नहीं रहता है। जब आप किसी भी कारण से तनाव में चले जाते हैं, तो आपके माइंड से स्ट्रेस हॉर्मोन रिलीज़ होने लगते हैं, जो ओवरऑल बॉडी के फंक्शन को प्रभावित कर देता है। ऐसे में पीरियड साइकिल 2 से 3 दिन ही चलती है। जो अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण सिद्ध हो सकता है।

बढ़ जाते हैं पीरियड क्रैंप्स-तनावग्रस्त रहने से पीरियड्स में असहनीय दर्द की शिकायत बढ़ने लगती है। पहले और दूसरे दिन महसूस होने वाले पीरियड क्रैंपस से निपटने के लिए लोग दवाओं का सहारा लेते हैं। इसके अलावा कुछ घरेलू नुस्खों से भी पेट में होने वाली ऐंठन को कम किया जा सकता है।

3. पीरियड साइकिल का इरेगुलर होना-अगर आपकी पीरियड साइकिल 21 से 25 दिनों के फासले के बजाय 35 से 40 दिनों में हो रही है, तो ये भी अत्यधिक तनाव का संकेत हो सकता है। इसका असर रक्त प्रवाह पर भी दिखने लगता है।

4. थकान महसूस होना-तनाव के कारण बॉडी में रिलीज़ होने वाले कार्टिसोल हार्मोन के चलते आपका शरीर थकान और आलस्य से भर जाता है। इसके अलावा ब्लोटिंग और सिरदर्द की समस्या भी बढ़ने लगती है। हार्मोनल इंबैलेंस शरीर में पीरियड्स के दिनों में थकान का कारण बनने लगता है।

5. मूड स्विंग-बॉडी में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन के स्तर में कमी आने के चलते मासिक धर्म के दौरान मूड स्विंग बढ़ जाता है। इससे पीरियड के दौरान चिड़चिड़ापन बना रहता है। इस समस्या से बाहर आने के लिए रूटीन में व्यायाम अवश्य करें।

जी हां, पनीर पोस्ट कोविड हेयर फॉल को रोकने में आपकी मदद कर सकता है, हम बताते हैं कैसे

अगर आप भी पोस्ट कोविड हेयर फॉल को रोकना चाहती हैं, तो अपनी डाइट में पनीर को जरूर शामिल करें। आपके बालों को बनने और बढ़ने के लिए जो मैटिरियल चाहिए वह पनीर ही आपको दे सकता है।बालों के झड़ने की समस्या से हर दूसरी महिला परेशान है। वैसे तो उम्र, प्रदूषण, तनाव हेयर फॉल के कई कारण हो सकते हैं। पर कोरोनावायरस की दूसरी लहर के बाद हेयर फॉल से परेशान लोगों का हॉस्पिटल पहुंचना बढ़ गया है। कोविड से उबर कर आए ज्यादातर लोग इन दिनों पोस्ट कोविड हेयर फॉल का सामना कर रहे हैं।

कोविड-19 और हेयर फॉल की समस्या-पिछले कुछ महीने हम सबके लिए बहुत ही मुश्किल भरे रहे हैं। हम में से बहुत सारे लोग या उनके प्रियजन कोरोना वायरस की चपेट में आए। जिसके बाद थकान, एंग्जायटी और अन्य परेशानियों के साथ हेयर फॉल की समस्या भी बढ़ गई है।असल में इस वायरस को शरीर से बाहर करने के लिए हमारी प्रतिरक्षा कोशिकाओं को प्रतिदिन बहुत फाइट करनी पड़ती है, जिससे शरीर में बहुत सारे विटामिन, खनिज और पोषण का नुकसान होता है। **बेहतर आहार बचा सकता है पोस्ट कोविड हेयर फॉल से**-इंडियन स्पाइनल इंजरीज़ सेंटर में सीनियर डाइटिशियन, हिमांशी शर्मा का कहना है कि अगर हम पोस्ट कोविड रिकवरी की बात करें, तो उसमें डाइट का बहुत अहम रोल है। इसके लिए जो सबसे जरूरी पोषक तत्व होता है वह है प्रोटीन।पनीर में काफी मात्रा में प्रोटीन मौजूद है। हमारे बालों का जो स्ट्रक्चर मैटिरियल होता है, वह प्रोटीन होता है और बालों में उस प्रोटीन का नाम होता है केराटिन। प्रोटीन की ज्यादा मात्रा होना या कम मात्रा होना दोनों ही हमारे हेयर फॉल का कारण बनती हैं। इसलिए हमारे खाने में सही मात्रा में प्रोटीन होना बहुत जरूरी है। **पोस्ट कोविड हेयर फॉल रोकने में पनीर कर सकत है मदद**-दरअसल प्रोटीन बालों का मुख्य आहार है। अगर आपके बाल झड़ रहें हैं या कोई और परेशानी है तो आपके आहार में प्रोटीन की कमी हो सकती है। पनीर हमारी डाइट में प्रतिदिन शामिल होना चाहिए। इसमें नट्स, सीड्स, ऑर्गेनिक अंडे, चिकन और मछली के साथ-साथ पनीर भी शामिल है। लेकिन शाकाहारी लोगों को बहुत अधिक तकलीफ का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उनके पास प्रोटीन के बहुत कम ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। यह सारे खाद्य पदार्थ विटामिन बी 7 में भी भरपूर होते हैं, जोकि बालों की सेहत के लिए जरूरी हैं। अगर आप कैल्शियम और प्रोटीन दोनों पोषण एक ही चीज में चाहती हैं, तो कॉटेज चीज़ इसका एक अच्छा उदाहरण है। **वेजिटेरियन है तो खाएं पनीर**-पनीर खाने के बाद आपके शरीर में एकदम से एनर्जी आती है। इसलिए इसे एक एनर्जी बूस्टर के तौर पर भी प्रयोग किया जा सकता है।

क्या डायबिटीज के रोगी कर सकते हैं मिश्री का सेवन? जानिए इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय

पूजा के प्रसाद से लेकर खाना खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के रूप में मिश्री कई जगह रखी हुई दिख जाती है। पर क्या डायबिटीज के रोगी इसका सेवन कर सकते हैं? मिश्री का सेवन आम तौर पर सौंफ के साथ होते हुए देखा होगा आपने। और कभी-कभी प्रसाद की थाली में भी मिश्री के दाने रखे हुए नजर आ ही जाते हैं। असल में मिश्री को रॉक शुगर या शुगर कैंडी भी कहा जाता है। पर मिठास जितनी अच्छी लगती है, उतना ही ज्यादा परेशान भी करती है। अब जब शुगर या डायबिटीज हर दूसरे व्यक्ति की समस्या बनने लगी है, तब यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या डायबिटीज में मिश्री का सेवन करना चाहिए? आइए इस जटिल प्रश्न का सवाल ढूंढते हैं।

क्या है मिश्री का डायबिटीज पर प्रभाव-*मिश्री को असल में भारत में एक प्रकार की कैंडी के रूप में प्रयोग किया जाता है। हालांकि मिश्री और चीनी दोनों ही गन्ने से प्राप्त होती हैं। लेकिन इन्हें बनाने की प्रक्रिया बहुत अलग होती है। मिश्री अनरिफाइंड होती है, जबकि चीनी रिफाइंड होती है।कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल में सीनियर डाइटिशियन हिमांशी शर्मा, के अनुसार मिश्री एक एल्कालाइन फूड है और पचने में आसान है। इसकी प्रकृति भी ठंडी होती है। आयुर्वेद के अनुसार मिश्री शरीर में वात और पित्त दोष को संतुलित करती है। वैसे भी मिश्री को प्रोसेस्ड नहीं किया जाता है, इसलिए इसमें कुछ विटामिन और खनिज होते हैं। पर जैसा कि आप जानती हैं कि डायबिटीज में शुगर का सेवन करना आपकी सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। फिर चाहे वह शुगर किसी भी फॉर्म में क्यों न हो। अगर आप मिश्री को भी अधिक मात्रा में खाती हैं, तो इससे आपको रिस्क उठाना पड़ सकता है।*

आयुर्वेद उपचार में मिश्री-*मिश्री शुगर की कंसेस्ट्रेटेड फॉर्म होती है। इसलिए इसका सेवन करते समय तो आपको और भी अधिक ख्याल रखना चाहिए। आयुर्वेद में मिश्री का प्रयोग उपचार के लिए भी किया जाता है।*

लेकिन डायबिटीज के मरीजों की सुरक्षा की जब बात आती है, तो जो चीज आपको सबसे अधिक ध्यान रखनी चाहिए वह है जिस चीज का आप सेवन कर रही हैं उसका पोर्शन साइज। चीनी में फ्रुक्टोज और ग्लूकोज होता है और उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स 65 होता है। यानी मिश्री का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी नॉर्मल चीनी जितना ही है।इसलिए आपको इसका सेवन अधिक नहीं करना चाहिए। आपको बता दें कि मिश्री का सेवन आप जितना कम करेंगी उतना अच्छा है।

मिश्री के प्रकार-*मिश्री भी दो प्रकार की होती है पहली वह जो शुगर मिल्स में बनाई जाती है। ज्यादातर दुकानों पर यही मिश्री उपलब्ध होती है। इसका सेवन बिलकुल न करें, यह आपको नुकसान पहुंचा सकती है। दूसरी तरह की मिश्री वह होती है जो पारंपरिक तरीके से बनाई जाती थी और उसे खांड सार वाली मिश्री भी कहा जाता है।*

यह मिश्री आपको ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाती। इसलिए आप इस प्रकार की मिश्री का सेवन कर सकती हैं, लेकिन वह भी कम मात्रा में। इस प्रकार की मिश्री की पहचान है उसकी रफ फॉर्मेशन।

बिजनेस ब्रीफ

आइकू 12 के लिए एक्सक्लूसिव प्रायोरिटीपास पेश किया

अपने डिवाइस को प्री-बुक करें और प्रायोरिटी पास का लाभ उठाएं, सेल शुरू होने से 24 घंटे पहले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हाई पर्फर्मांस वाला स्मार्टफोन ब्रांड आइकू, पहली बार आइकू प्रशंसकों के लिए एक विशेष प्रायोरिटी पास की घोषणा करतेहुए रोमांचित है।

आइकू अपने आगामी फ्लैगशिप स्मार्टफोन - आइकू 12 केलिए असाधारण प्रत्याशा से उत्साहित हैकई उद्योग-प्रथम विशेषताओं के साथ, आइकू 12 ब्रांड का परम फ्लैगशिपस्मार्टफोन है और इसके लिए, इसे दस लाख से अधिक आइकू प्रशंसकों सेजबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। सीमित समय का प्रायोरिटी पास प्रशंसकों को Amazon.in और Iqoo.com पर 5 से 7 दिसंबर 2023 तकआधिकारिक लॉन्च से पहले सुपर फ्लैगशिप आइकू 12 को प्री-बुक करने कामौका पाने के लिए एक विशेष विंडो प्रदान करेगा। उपभोक्ता अपने डिवाइस को प्री-बुक कर सकते हैं और प्रायोरिटी पास का लाभउठा सकते हैं, जिसे बिक्री शुरू होने से 24 घंटे पहले आइकू 12 खरीदने के लिएभुनाया जा सकता है।

यूरोप के रेड गोल्ड टोमैटोज़ देंगे खाने में नया स्वाद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूरोप के रेड गोल्ड टोमैटोज़ अब अपने खाने में नया स्वाद देंगे। यूरोप के रेड गोल्ड टोमैटोज़ एक ऐसी ही सामग्री हैं, जो आपके व्यंजनों में चार-चांद लगा सकती है। यह उत्तम टमाटर अपने बेजोड़ स्वाद के लिये जाने जाते हैं। यह किसी भी समझदार शेफ या होम कुक के लिये बेहद जरूरी हैं।दुनिया के कुछ सबसे बेहतरीन टमाटरों के उत्पादन का एक लंबा इतिहास रहा है। और रेड गोल्ड वैरायटी भी इस बात पर खरी उतरती है। इन टमाटरों की खासियत है उनका चटकीला लाल रंग और उम्दा स्वाद।रेड गोल्ड टोमैटोज़ को अनोखा बनाने वाली बात है कि इन्हें उगाने में पर्यावरण की रक्षा करने वाले अभ्यासों का प्रयोग किया जाता है और यूरोप इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इन टमाटरों को सावधानी से खेतों में उगाया जाता है। उन्हें यूरोप की आदर्श जलवायु और मिट्टी का फायदा भी मिलता है। परिणाम में मीठे और उम्दा स्वाद वाले टमाटर मिलते हैं, जिनका फ्लेवर प्राकृतिक होता है। यह टमाटर'फार्म टु टेबल' डाइनिंग की भावना सामने लाते हैं और इसलिये आश्चर्य नहीं है कि यह टॉप शेफ्स का पसंदीदा प्रोडक्ट है।यूरोप के रेड गोल्ड टोमैटोज़का उपयोग कई तरह से किया जा सकता है। चाहे आप क्लासिक इटालियन पास्ता सॉस बना रहे हों, तड़क-भड़क वाला स्पेनिश गैज़पाचो या दिल को छूने वाला फ्रेंच रैटाटोइले, यह टमाटर एक भरोसेमंद विकल्प हैं।

नेस्ले इंडिया ने जीता 'बेस्ट इंडस्ट्री- प्रोडक्ट इनोवेशन फॉर मेनस्ट्रीमिंग मिलेट्स' अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेस्ले इंडिया को बेहद सम्मानित ''इंटरनेशनल न्यूट्री-सीरियल कन्वेंशन 5.0'' में न्यूट्रीहब, आईसीएआर-आईआईएमआर से ÷बेस्ट इंडस्ट्री- प्रोडक्ट इनोवेशन फॉर मेनस्ट्रीमिंग मिलेट्स÷ पुरस्कार मिला है। इस कार्यक्रम की मेजबानी न्यूट्रीहब, आईआईएमआर-आईसीएआर ने की और इसमें मिलेट्स के इको-सिस्टम में काम कर रहे नीति-निर्माता, उत्पादक, प्रोसेसर्स, शोधकर्ता, शिक्षाविद, शोध एवं विकास संस्थान, इनक्यूबेटर्स, स्टार्टअप्स, सूक्ष्म-उद्यमियों और एनजीओ जैसे कई हितधारक एकजुट हुए। यह सम्मान खाद्य उद्योग में सबसे बेहतरीन काम करने एवं हमेशा नए आविष्कार करने के लिये नेस्ले इंडिया की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मिलेट्स को तेजी से अपनाये जाने पर अपनी बात रखते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन ने कहा, ''नेस्ले इंडिया बेस्ट इंडस्ट्री- प्रोडक्ट इनोवेशन फॉर मेनस्ट्रीमिंग मिलेट्स अवार्ड पाकर बहुत खुश है। यह सम्मान देशभर में उपभोक्ताओं को खाने के पौष्टिक एवं सेहतमंद विकल्प प्रदान करने के लिये हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेस्ले इंडिया की टीम इस सपने को साकार करने के लिये तैयार है। मुझे बहुत खुशी है कि हमने मिलेट से बने उत्पाद लॉन्च किये हैं, जिनमें नेस्ले ए + मसाला मिलेट विद बाजरा, नेस्ले सेरेग्रो ग्रेन सिलेक्शन विद रागी, ज्वार और रागी के अलावा मैगी ओट्स नूडल्स विद मिलेट मैजिक शामिल हैं। मैं भारत सरकार को दिल से बधाईयां देता हूं कि उन्होंने मिलेट्स को लेकर सबका ध्यान आकर्षित किया और 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स बनाया। हमारा मानना है कि मिलेट्स या 'श्री अन्न' को आगे लाने की यह गति कॉर्पोरेट्स, शिक्षा जगत और अधिकारियों के बीच भागीदारी के माध्यम से बनी रहनी चाहिये।

एयर इंडिया ने विमान की बाहरी धुलाई के लिए सफाई की स्वचालित प्रक्रिया को अपनाया

गुरुग्राम, (एजेंसी)। भारत की अग्रणी ग्लोबल एयरलाइन एयर इंडिया ने विमान की बाहरी धुलाई के लिहाज से पर्यावरण के अनुकूल, स्वचालित धुलाई और सफाई प्रणाली पेश की है। नई टैक्नोलॉजी को अपनाने से एयरलाइन की परिचालन दक्षता में और बढ़ावा होगा। डिवाइस 'एरोवॉश' कई आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जैसे सफाई के लिए रोबोटिक माइक्रो-फाइबर ब्रश ड्रम जो लगभग पानी रहित प्रक्रिया का उपयोग करता है जो इसे और अधिक टिकाऊ बनाते हुए कार्य करने की क्षमता को काफी बढ़ाता है। इस तरह एक नैरो-बॉडी विमान के लिए, एक वर्ष में बचाए गए स्वच्छ पानी की मात्रा प्रति विमान 30,000 लीटर तक होगी, जबकि प्रति वर्ष एक वाइड-बॉडी विमान की सफाई के लिए 75,000 लीटर पानी की बचत होगी। एयर इंडिया में बेड़े का विस्तार जोरों पर चल रहा है, जिससे भविष्य में स्वच्छ पानी की कुल मात्रा में और बचत होने की संभावना है। एयर इंडिया के चीफ टैक्नीकल ऑफिसर एस.के. डैश ने कहा, ''हमने सफाई की आधुनिक प्रणाली को अपनाया है और इस तरह हमने उद्योग में इस्तेमाल की जाने वाली बेहतरीन प्रणाली को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड्स की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा,प्रतिवर्ष 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न पेश किया

अजमेर (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग माईक्रोफाईनेंस कंपनियों (एनबीएफसी-एमएफआई) में से एक, आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस सिक्योर्ड बॉन्ड्स के अपने पहले पब्लिक इश्यू की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक वृद्धि और पूंजी निर्माण के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न प्रदान करेंगे। ये इश्यू सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 से मिलना शुरू होंगे, और शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 तक मिलेंगे। आईआईएफएल समस्ता आईआईएफएल फाईनेंस का अंग है, जो भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी समूहों में से एक है, जिसके पास 73,066 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस 200 करोड़ रु. के बॉन्ड्स जारी करेगा, और उसके पास 800 करोड़ रु. तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन (कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रु.) बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू का विकल्प भी होगा। आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड 60 महीने की अवधि के लिए 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वाधिक कूपन दर प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी हर सीरीज़ के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर उपलब्ध होगी। इसकी क्रेडिट रेटिंग क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल एए-/पॉज़िटिव और एक्विटी रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा एक्विटी एए। स्टेबल है, जिससे प्रदर्शित होता है कि ये इंस्ट्रूमेंट अत्यधिक सुरक्षित माने जाते हैं, और बहुत कम क्रेडिट रिस्क के साथ वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग प्रदान करते हैं। आईआईएफएल समस्ता को इस माह क्रिसिल द्वारा 'स्टेबल' से 'पॉज़िटिव' रेटिंग में अपग्रेड किया गया है। आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के एमडी एवं सीईओ,वेंकटेश एन ने कहा, ''आईआईएफएल समस्ता अपनी 1,500 शाखाओं के द्वारा पूरे भारत में मजबूत स्थिति में मौजूद है। यह सेवाओं की कमी वाले और उनसे वंचित लोगों की क्रेडिट की जरूरतों को पूरा करता है, जो मुख्यतः अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ वंचित पृष्ठभूमि की महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। इन बॉन्ड्स की मदद से एकत्रित किए गए फंड का उपयोग इन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और व्यावसायिक वृद्धि लाने के लिए किया जाएगा।'' आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस उन महिलाओं को किफायती और अभिनव वित्तीय उत्पाद प्रदान करता है, जो सदस्यों के रूप में पंजीकृत होती हैं, और समाज के वंचित वर्गों से संयुक्त दायित्व समूह में नियोजित होती हैं। इनमें भारत के ग्रामीण, अर्द्धशहरी और शहरी इलाकों से किसान, कृषि मजदूर, सब्जी और फल विक्रेता, कपड़ा व्यापारी, दर्जी, शिल्पकार, और गृहणियाँ एवं औद्योगिक मजदूर आते हैं।

क्रॉस लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी जमा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रॉस लिमिटेड, जो की एक डाइवर्सिफाइड कंपनी है जो ट्रेलर एक्सल और सस्पेंशन असेंबली तथा मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों और कृषि उपकरण के लिए सटीक मशीनीकृत उच्च प्रदर्शन वाली सेफ्टी क्रिटिकल पार्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के मैन्यूफैक्चरिंग और सप्लाई पर फोकस्ड है, ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से राशि जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया है। डीआरएचपी के अनुसार, जमशेदपुर स्थित कंपनी की 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के तहत 250 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे तथा प्रमोटर शेयरधारकों द्वारा 250 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर्स ऑफर फॉर सेल में शामिल है, जिसमे सुधीर राय के 168 करोड़ रुपये तक के शेयर्स और अनीता राय के 82 करोड़ रुपये तक के शेयर्स शामिल है। साथ ही कंपनी द्वारा 50 करोड़ रुपये तक का निर्दिष्ट प्रतिभूतियों का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जा सकता है। यदि ऐसा प्लेसमेंट किया जाता है, तो नए इश्यू का आकार कम हो जाएगा। नए इश्यू से प्राप्त राशि में से 70 करोड़ रुपये का उपयोग मशीनरी और उपकरण की खरीद के पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के लिए तथा 90 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी द्वारा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए सभी या कुछ बकाया उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा 30 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण के लिए और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

बैंक ऑफ इंडिया ने विभिन्न अवधियों की सावधि जमा दरों में की आकर्षक बढ़ोतरी

मुंबई, (एजेंसी)। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में शामिल बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों और आम जनता के लिए (रु. 2 करोड़ एवं अधिक से लेकर रु. 10 करोड़ से कम तक की राशि पर) 46 दिनों से 1 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमा दरों में वृद्धि की है, जो 1 दिसंबर, 2023 से प्रभावी होगी।बैंक ने छोटी अवधि के लिए अपनी सावधि जमा दरों में वृद्धि की है, अर्थात् 46 दिन से 90 दिन की अवधि के लिए 5.25%, 91 दिन से 179 दिन÷ की अवधि के लिए 6.00%, 180 दिन से 210 दिन की अवधि के लिए 6.25%, 211 दिन से 1 वर्ष से कम की अवधि के लिए 6.50% और 1 वर्ष की अवधि के लिए 7.25% प्रति वर्ष तक कर दी हैं। बैंक द्वारा दी जाने वाली ब्याज की वर्तमान दरें प्रतिस्पर्धी हैं, जो एचएनआई, लघु एवं मध्यम कॉर्पोरेट, एनआरआई एवं स्व-रोज़गार में लगे पेशेवरों द्वारा निवेश पर बहुत आकर्षक ब्याज प्रदान करती हैं। 1 नवंबर, 23 से लागू करते हुए बैंक पहले से ही 2 साल की अवधि वाली 2 करोड़ रुपये से कम÷ राशि की सभी जमाराशियों पर दरें बढ़ा चुका है। यहां, बैंक 2 साल की अवधि के लिए सुपर वरिष्ठ नागरिकों को 7.90%, वरिष्ठ नागरिकों को 7.75% और अन्य को 7.25% तक की उच्चतम ब्याज दर ऑफर कर रहा है। संशोधित ब्याज दरें घरेलू, एनआरओ और एनआरई मियादी (रु) जमाराशियों पर लागू हैं।

अमृतांजन कॉम्फी ने शुरू की अधिक शहरों में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉम्फी स्नग फिट, अमृतांजन हेल्थ केयर का एक तेजी से बढ़ता मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड है। कंपनी, भारत के 1,450 शहरों में 4.5 लाख युवतियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक कर चुकी है और अब तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तर प्रदेश के 360 शहरों में इस पहल को शुरू कर रही है ताकि प्रोजेक्ट दिशा पहल के अगले चरण के हिस्से के रूप में भारत के इन चार राज्यों में अन्य 2.5 लाख छात्राओं में जागरूकता बढ़ाई जा सके।तीसरे चरण के अंत में, अनुमान है कि प्रोजेक्ट दिशा ने देश भर के 1,800 से अधिक शहरों में 7 लाख लड़कियों के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। अभियान के अंग के रूप में, कंपनी ने अपने सेनेटरी पैड - कॉम्फी का भी वितरण किया, जो कपड़े की तुलना में 80% बेहतर अवशोषण प्रदान करता है और इसकी कीमत भी उचित है। प्रोजेक्ट दिशा को शुरू हुए अपने तीन साल हो चुके हैं और अब यह10 राज्यों में लागू है, जिसमें 900 कस्बे, 400 स्कूल और 100 आंगनवाड़ी केंद्र शामिल हैं। इस परियोजना ने घरों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ाई है। प्रोजेक्ट दिशा मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं को कपड़े के बजाय सैनिटरी पैड के उपयोग के लाभों के बारे में शिक्षित करने की अमृतांजन कॉम्फी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। कंपनी, महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण में उचित स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझती है, और यह मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़े आवश्यक उत्पादों तक उनकी पहुंच के आड़े आने वाली बाधाओं को दूर कर उन्हें सशक्त बनाना चाहती है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को पीआईएमएस प्रमाणन प्राप्त हुआ

मुंबई (एजेंसी)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को आज प्रतिष्ठित ISO 27701:2019 PIMS (गोपनीयता सूचना प्रबंधन प्रणाली) प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जिससे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया यह मील का पत्थर हासिल करने वाला बीएफ़एसआई क्षेत्र का पहला संगठन बना। यह प्रमाणीकरण इस बात को दर्शाता है कि बैंक ने व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी की सुरक्षा के लिए अपेक्षित नियंत्रण और उपाय किए हैं। यह हमारे ग्राहकों को उनके व्यक्तिगत डेटा पर अधिक नियंत्रण के साथ सशक्त बनाता है और वैश्विक स्तर पर डेटा सुरक्षा कानूनों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ उद्योग की अग्रणी प्रथाओं को लागू करने, अपनी सूचना प्रणालियों को प्रबंधित करने में हमेशा सबसे अग्रसर है, जो ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने और हमारे ग्राहकों और हितधारकों के डेटा की गोपनीयता और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सुरक्षित प्रणाली बनाने के बैंक के प्रयास को प्रदर्शित करता है।ISO 27701 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है जो गोपनीयता सूचना प्रबंधन प्रणाली की स्थापना, कार्यान्वयन, रखरखाव और निरंतर सुधार के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रणालियाँ, प्रक्रियाएं और आईटी सुविधाएं ISO27001:2013, ISO22301:2019, ISO31000:2018 और PCI-DSS अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन निकायों द्वारा भी प्रमाणित हैं जो अपने ग्राहकों को सुरक्षित, संरक्षित और लचीला बैंकिंग अनुभव प्रदान करते हैं।

एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण हुआ 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनएसई में सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1 दिसंबर, 2023 को 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (334.72 ट्रिलियन रुपये) को पार कर गया। उसी दिन, निफ्टी 50 इंडेक्स 20,291.55 के सार्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। निफ्टी 500 इंडेक्स भी 1 दिसंबर को 18141.65 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया, जो दर्शाता है कि इक्विटी बाजार की यह उछाल केवल बड़े पूंजी वाले शेयरों तक ही सीमित नहीं है।यह उपलब्धि, अमृत काल के लिए उल्लिखित दृष्टिकोण का एक प्रमाण है, जिसमें मजबूत सार्वजनिक वित्त के साथ एक प्रौद्योगिकी-संचालित और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और एक मज़बूत वित्तीय क्षेत्र शामिल है।भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (जुलाई 2017) से 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मई 2021) तक पहुंचने में लगभग 46 महीने लगे, जबकि इसमें और 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर यानी 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने में केवल 30 महीने लगे। 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का बाजार पूंजीकरण महत्वपूर्ण उपलब्धि है और आंकड़े से पता चलता है कि भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ पंजीकृत कुल निजी कंपनियों में से केवल 0.35% ही एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध हैं, जो बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियों को दर्शाता है, जो अपनी वित्त पोषण आवश्यकताओं के लिए इक्विटी बाजार का लाभ उठा सकती हैं।प्राथमिक बाजार में लघु एवं मध्यम उद्यमों सहित कंपनियों द्वारा संसाधन जुटाने की प्रक्रिया उत्साहजनक रही और इसने धन जुटाने के पारंपरिक तरीकों के अलावा एक प्रभावी वैकल्पिक तंत्र प्रदान किया है। चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर 2023 तक इक्विटी और कॉरपोरेट बॉन्ड में प्राथमिक बाजारों के माध्यम से 5,00,000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए गए हैं। सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले 10 वर्षों में 17.5त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले 10 वर्षों में 14% सीएजीआर और पिछले 20 वर्षों में 14.9% का मुनाफा दिया।

एथर एनर्जी ने नवंबर 2023 में 9,344 यूनिट बेचीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी ने नवंबर, 2023 में 9344 यूनिटें बेचीं। एथर तेजी से अपनी उपलब्धता और पहुँच का विस्तार कर रहा है। एथर इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है, और इसके पास 100 शहरों में 176 एक्सपीरियंस सेंटर्स का विस्तृत नेटवर्क है, जिसमें 11 एक्सपीरियंस सेंटर नवंबर में खोले गए हैं। एथर के आकर्षक स्कूटरों में एथर 450एक्स के साथ एथर 450एस है, जो भारत का सबसे तेज और स्मार्ट स्कूटर है। ये एक्सपीरियंस सेंटर खरीददारों को एथर के स्कूटर की टेस्ट राईड लेने का अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं, ताकि वो अपनी जरूरत के अनुरूप सबसे अच्छा इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीद सकें। एथर अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और इनोवेटिव उत्पादों के कारण इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में सबसे आगे खड़ा है।इस अवसर पर रवनीत सिंह फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफिसर ने कहा, हमें अक्टूबर में मिली तेजी नवंबर में भी जारी रही, और हमने अपने ग्राहकों को 9,344 यूनिटें डिलीवर कीं। ईवी टू-व्हीलर बाजार सब्सिडी में संशोधन से पहले बिक रही संख्या के करीब पहुँच रहा है, और हमें उम्मीद है कि हम 2023 का बहुत अच्छा समापन करेंगे। हमने इस माह नेपाल में अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर खोलकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश किया। हमारी 10वीं सालगिरह के अवसर पर हमने दो नए स्कूटर लॉन्च करके दस साल पूरे होने का जश्न मनाया। इनमें एथर एपेक्स और एक फैमिली स्कूटर है, जो 2024 में बाजार में उतरेंगे। दिसंबर में और ज्यादा घोषणाएं की जाएंगी।

एसएआईसी मोटर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने की जॉइंट वेंचर की घोषणा

उद्देश्य हरित गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करना और विकास में तेजी लाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसएआईसी मोटर ने जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ विशेष जॉइंट वेंचर की घोषणा की है। एसएआईसी एक फॉर्च्यून 500 कंपनी है और इसका वार्षिक राजस्व लगभग 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह कंपनी 100 से अधिक देशों में कार्यरत है। जबकि जेएसडब्ल्यू अमेरिका के साथ भारत के अग्रणी ग्लोबल बिज़नेस ग्रुप्स में से एक है। यह विविध व्यवसायों से 23 बिलियन डॉलर का राजस्व हासिल कर रही है।लंदन में एमजी कार्यालय में एसएआईसी के अध्यक्ष वांग जियाओकिउ और जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पार्थ जिंदल द्वारा शेयरधारक समझौते, शेयर खरीद और शेयर सदस्यता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य भारत में एमजी मोटर के परिवर्तन और विकास में तेजी लाना है। एसएआईसी मोटर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ऑटोमोबाइल नई तकनीक के क्षेत्र में संसाधनों को एक मंच पर लाकर तालमेल बनाएँगे। इस जॉइंट वेंचर के तहत विभिन पहलें की जाएँगी। इसमें स्थानीय सोर्सिंग को बढ़ाना, चार्जिंग के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, उत्पादन क्षमता का विस्तार और हरित गतिशीलता पर ध्यान देने के साथ साथ वाहनों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करना शामिल है।समझौते के अनुसार जेएसडब्ल्यू के इस भारतीय जॉइंट वेंचर में 35त्न हिस्सेदारी होगी। एसएआईसी भारतीय उपभोक्ताओं पर फोकस करता रहेगा। इसके साथ ही, यह असाधारण गतिशीलता और समाधान प्रदान करने के लिए यह इस वेंचर को उन्नत प्रौद्योगिकी प्रदान करेगा।

इम्पीयिल ब्लू सुपरहिट नाईट्स ने अपने 'इन माय फीलिंग्स' टूर के लिए हार्डी संधु के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने माने गायक एवं परफोर्मर हार्डी संधु इम्पीयिल ब्लू सुपरहिट नाईट्स के साथ साझेदारी में अपने पहले इंडिया टूर की शुरूआत करने जा रहे हैं। यह टूर संगीत और संस्कृति का शानदार जश्न होगा, जिसका आयोजन सात अतुलनीय शहरों में किया जाएगा। हार्डी 9 दिसम्बर को इंदौर से अपना टूर शुरू करेंगे, जिसके बाद 17 दिसम्बर को मुंबई, 24 दिसम्बर को कोलकाता, 31 दिसबर को जयपुर और 20 जनवरी को पुणे पहुंचेंगे। भुवनेश्वर और गुरूग्राम की तारीखों की घोषणा भी जल्द की जाएगी। टूर कॉन्सर्ट की टिकटें पेटीएम इनसाईडर पर खरीद के लिए उपलब्ध होंगी। इम्पीरियल ब्लू सुपरहिट नाईट्स का लाईव म्युज़िक आयोजनों में उल्लेखनीय इतिहास रहा है। सालों से यह दिग्गज संगीतज्ञों को मंच पर लाकर देश भर के प्रशंसकों को यादगार अनुभव प्रदान करता रहा है।

अपने 'दिसंबर टू रिमेम्बर' अभियान के साथ शानदार ऑफर पेश किए

ओला मात्र 89,999 रु में नए S1 X+ के साथ #EndICEAge मिशन में तेज़ी लाएगा, S1 X+ की डिलीवरी अगले हफ़्ते से शुरू होगी

बेंगलुरु, (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने #EndICEAge मिशन में तेजी लाने के लिए अपने दिसंबर टू रिमेंबर अभियान की घोषणा की। 3 दिसंबर से शुरू होने वाले इस अभियान में एकदम नया एस1 एक्स+ अब 20,000 रुपये के फ्लैट डिस्काउंट के साथ मिल सकेगा, जिसका मतलब एस1 एक्स+ की कीमत अब घटकर केवल 89,999 रुपये हो गई है। इस वजह से एस1 एक्स+ सबसे सस्ते 2व्हीलर ईवी स्कूटरों में से एक बन गया है। जिसे अपनाना सबके लिए आसान हो गया है। एस1 एक्स+ किफायती दाम पर सबसे अच्छा प्रदर्शन, उन्नत तकनीकी सुविधाएँ और बेहतर सवारी गुणवत्ता देता है। यह 3k Wh बैटरी के साथ आता है और 151 किमी की प्रमाणित रेंज देता है। साथ ही 6kW मोटर से चलने वाला एस1 एक्स+ 3.3 सेकंड में 0 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है और इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटे है।देश में ईवी को घर- घर पहुंचने के मकसद से कंपनी ने 3 दिसंबर से शुरू होने वाले अपने दिसंबर टू रिमेम्बर अभियान की घोषणा की है, जिसमें आकर्षक ऑफर और छूट योजनाओं के साथ सीजन का समापन काफ़ी

शानदार रहेगा।ओला के चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर, अंशुल खंडेलवाल ने कहा, ओला इलेक्ट्रिक ने नवम्बर महीने में लगभग 30,000 इकाइयों की रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री के साथ एक नया इंडस्ट्री बेंच मार्क स्थापित किया है। लोग ईवी बड़ी आसानी से अपना सके इस बात में तेजी लाने और ईवी को सभी के लिए ज़रूरी बनाने के लिए, हाजिर हैं हम अपने नए एस1 एक्स+ के साथ, जो सारी बाधाओं को पार करने में सक्षम है। जानीमानी आईसीई स्कूटर के बराबर कीमत के साथ, हमें विश्वास है कि एस1 एक्स+ #EndICEAge के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमारे स्कूटरों की लम्बी चौड़ी रेंज और उनकी आकर्षक कीमत के साथ, मेरा यह मानना है कि ग्राहकों के पास अब आईसीई उत्पाद खरीदने का कोई बहाना नहीं होगा।

एनीवेयरजॉब्स, बैटन ट्रांसपोर्ट और एनएसडीसी इंटरनेशनल ने यूरोप में ट्रक ड्राइवरों की कमी को कुशल वर्कफोर्स से पूरा करने के लिए साझेदारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनएसडीसी इंटरनेशनल (एनएसडीसीआई), एनीव्हेयर जॉब्स और एक यूरोपीय रोड ट्रान्सपोर्ट कम्पनी बैटन ट्रांस-पोर्ट, एक अभूतपूर्व साझोदारी के माध्यम से, न केवल भारतीय ट्रेलर ड्राइवरों को संगठित करके यूरोप में कुशल ट्रेलर ड्राइवरों की भारी कमी से निपटने बल्कि ट्रकिंग इन्डस्ट्री में भारतीय महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। यूरोप को ट्रेलर ड्राइवरों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी मांग उपलब्ध वर्कफोर्स से काफी अधिक है। हाल के आंकड़ों से इस क्षेत्र में 150,000 से अधिक कुशल ड्राइवरों की चिंताजनक कमी का पता चलता है, जोकि इनोवेटिव समाधानों की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर करता है। इस सप्ताह, एनीव्हेयर जॉब्स ने दिल्ली में एक व्यापक भर्ती अभियान के माध्यम से बैटन ट्रांसपोर्ट के लिए 30 उच्च योग्य ट्रेलर ड्राइवरों को शामिल किया। बैटन ट्रांसपोर्ट एनीव्हेयर जॉब्स के साथ मिलकर भारतीय पुरुष और महिला ड्राइवरों की भर्ती कर रहा है जो यूरोप में रिले ड्राइविंग मॉडल का उपयोग करके काम करेंगे।

तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने के बाद अब मिजोरम में लगा कांग्रेस को झटका

एजेंसी ▶▶ आइजोल

कांग्रेस को मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही चौथे राज्य मिजोरम में भी मतदाताओं ने कांग्रेस को नकार दिया है। यहां कांग्रेस को मात्र एक और भाजपा को दो सीटें मिलीं हैं। जबकि मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) को शानदार जीत मिली है। इस बार चुनाव में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद थी। हालाकि सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट को चुनाव परिणाम में हार का सामना करना पड़ा।

जेडपीएम को मिला बहुमत, 40 में से 27 सीटों पर मिली जीत

खास बातें

- कांग्रेस को एक और भाजपा को मिलीं दो सीटें
- 80 प्रतिशत से अधिक हुआ था मतदान
- कांग्रेस से त्रिकोणीय मुकाबले की उम्मीद थी

मतदान सात नवंबर को हुआ था

मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था। इस दौरान 8.57 लाख मतदाताओं में से 80 फीसदी से ज्यादा ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। चुनाव में 18 महिलाओं सहित कुल 174 उम्मीदवार मैदान में थे।

3 दिसंबर को नहीं हुई गणना

जेडपीएम ने 40 सीटों वाले विधानसभा में 27 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं मिजो नेशनल फ्रंट को मात्र 9 सीटों पर जीत मिली है और एक सीट पर उसके उम्मीदवार खबर लिखे जाने तक आगे चल रहे थे। रविवार का दिन ईसाई बहुल मिजोरम के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है। इसलिए 3 दिसंबर को मतगणना नहीं की गई थी।

एमएनएफ, जेडपीएम और कांग्रेस ने 40-40 सीटों पर चुनाव लड़ा

एमएनएफ, जेडपीएम और कांग्रेस ने 40-40 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा ने 23 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। आम आदमी पार्टी (आप) ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसके अलावा 17 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में थे।

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा चुनाव हारे

मिजोरम के मुख्यमंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार जोरमथांगा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और जेडपीएम के उम्मीदवार लालथनसांगा से 2101 मतों से आइजोल पूर्वी -1 सीट से चुनाव हार गये हैं। चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार लालसंगलुरा राल्ते को केवल 2520 मतों से ही संतोष करना पड़ा। जोरम पीपुल्स मूवमेंट मिजोरम में सरकार गठन का दावा पेश करने के बारे में निर्णय लेने के लिए अपने नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक आयोजित करेगा। चुनाव में जिन दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा, उनमें उप मुख्यमंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार तावंलुइया शामिल हैं। उन्हें तुइचांग में जेडपीएम उम्मीदवार ने हराया। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री और एमएनएफ उम्मीदवार आर लालथंगलियाना दक्षिण तुईपुई में जेडपीएम के जेजे लालपेखलुआ से हार गए। मंत्री लालरुआत्किमा को आइजोल वेस्ट-द्वितीय सीट पर जेडपीएम के उम्मीदवार लालनघिंगलोवा हमार से हार झेलनी पड़ी।

17वीं लोकसभा का आखिरी शीतकालीन सत्र सोमवार से हुआ प्रारंभ

राज्यसभा में राघव चड्ढा का निलंबन खत्म लोकसभा में किसानों की कर्जमाफी की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन किसानों की कर्ज माफी को लेकर हंगामा हुआ और विपक्षा ने काफी शोरशराबा किया। हालांकि उनका हंगामा ज्यादा देर नहीं चला और विपक्ष ने हंगामा बंद कर दिया।

बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली मानसून सत्र में भाजपा सदस्य रमेश बिधूड़ी की 'आपत्तिजनक' टिप्पणी के मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए सोमवार को गले में तख्तियां लटकाकर लोकसभा में पहुंचे

जिस पर हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही शुरू होने के करीब 10 मिनट बाद दोपहर तक स्थगित कर दी गई थी। इस सत्र के दौरान लोकसभा में उस वक्त हंगामा हो सकता है, जब सदन की आचार समिति की रिपोर्ट पेश की जाएगी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के आरोप में निष्कासित करने की सिफारिश की गई है।

19 दिन में 21 बिल होंगे पेश होंगे

15 बैठकें होंगी शीतकालीन सत्र की

मुद्दों पर आगे की बैठकों में हंगामे के आसार

राघव चड्ढा की ऐसी खुशी...

सरकार ने शीतकालीन सत्र की 15 बैठकों के लिए एक भारी विधायी एजेंडा पेश किया है, जिसमें औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए गए प्रमुख विधेयक, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक रूपरेखा प्रदान करने से संबंधित विधेयक शामिल है। राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी सदस्य राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त करते हुए उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दे दी गई। चड्ढा को मानसून सत्र में 11 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। राज्यसभा में 11 अगस्त को उच्च सदन के नेता पीयूष गोयल ने राघव चड्ढा को निलंबित किए जाने का प्रस्ताव पेश किया था, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया था। चड्ढा पर दिल्ली राजधानी क्षेत्र (संशोधन) विधेयक, 2023 को सदन की प्रवर समिति में भेजने का प्रस्ताव करने के लिए, सदन के कुछ सदस्यों से सहमति लिए बिना ही प्रस्तावित समिति के लिए उनका नाम लेने का आरोप लगाया गया था।

महाराष्ट्र व पंजाब में किसानों की दयनीय हालत का मुद्दा उठा

महाराष्ट्र और पंजाब के किसानों का कर्ज माफ करने की मांग सोमवार को लोकसभा में उठाई गई। सदन में शून्यकाल के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सुप्रिया सुले और कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल ने क्रमशः महाराष्ट्र और पंजाब के किसानों की 'दयनीय स्थिति' का मुद्दा उठाया और कर्जमाफी की मांग केंद्र से की।

अधिवक्ता संशोधन विधेयक मंजूर

संसद ने सोमवार को 'अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023' को मंजूरी प्रदान कर दी। इस विधेयक का मकसद अदालत परिसरों में दलालों की भूमिका को खत्म करना है। लोकसभा ने विधेयक पर विस्तृत चर्चा और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद ध्वनिमत से स्वीकृति दी। राज्यसभा में यह विधेयक पिछले मानसून सत्र में पारित किया गया था। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए मेघवाल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह तय किया है कि उन औपनिवेशिक कानूनों को निरस्त किया जाएगा जो अनुपयोगी हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'इस संशोधन को लाने का उद्देश्य पूरी तरह पवित्र है।'
मंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार में 1486 औपनिवेशिक कानून समाप्त कर दिए गए, जबकि संप्रग सरकार के 10 साल के कार्यकाल में एक भी ऐसा कानून खत्म नहीं किया गया। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदम्बरम ने विधेयक पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि छोटी अदालतों में छोटे-मोटे दलालों के खिलाफ पहल करने के साथ-साथ केंद्र को 'बड़ी मछलियों' को पकड़ने के लिए प्रावधान करना चाहिए।

1.30 लाख लोगों ने की हवाई यात्रा : सिंधिया

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि उड़ान योजना के तहत देश भर में अब तक 1.30 लाख यात्रियों ने विमान से यात्रा की है और 2030 तक देश में कुल हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर 42 करोड़ हो जाने का अनुमान है। सिंधिया ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, उड़ान योजना के तहत 1.30 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की जिन्होंने कभी विमान में यात्रा करने के बारे में सोचा भी नहीं होगा।

रिपोर्ट जब पेश होगी, तब बोलेंगे: महुआ मोइत्रा

एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, जब इसे (संसद के समक्ष) पेश ही नहीं किया गया, तो मैं क्या कह सकती हूं? अगर उन्होंने इसे पेश किया होता तो हम कुछ कहते...जब वे इसे पेश करेंगे तो हम बोलेंगे।

कतर में फंसे पूर्व नौसेना अधिकारियों का मुद्दा संसद में उठा

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भारत के उन पूर्व नौसेना अधिकारियों को रिहा कराने के लिए हरसंभव प्रयास करने की केंद्र सरकार से सोमवार को अपील की, जिन्हें कतर में जासूसी के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई है। चौधरी ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने इन पूर्व नौसेना अधिकारियों के परिजनों के हवाले से केंद्र सरकार से मांग की कि वह कतर के साथ राजनयिक स्तर पर हरसंभव एवं सकारात्मक प्रयास करके उन भारतीयों को रिहा कराने का प्रयास करे।

डीप फेक पर हाईकोर्ट ने कहा संतुलित समाधान सरकार निकाले

एआई तकनीकी पर कोर्ट ने की टिप्पणी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को इस बात पर आपत्ति जताई कि क्या वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से उत्पन्न 'डीपफेक' सामग्री के उपयोग पर लगाम लगाने के लिए कोई निर्देश जारी कर सकता है? कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने एक वकील चैतन्य रोहिल्ला द्वारा डीपफेक वीडियो और फोटो बनाने वाली वेबसाइटों तक पहुंच को रोकने के लिए दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार कर रही थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबकि, याचिकाकर्ता ने कोर्ट से डीपफेक और एआई के यूज के लिए दिशानिर्देश तय करने का भी आग्रह किया था।

हालांकि, कोर्ट ने बताया कि यह मुद्दा बहुत जटिल है और सरकार के लिए इस मामले को सुलझाना और एक संतुलित समाधान तक पहुंचना बेहतर होगा। हाईकोर्ट के पीठ ने कहा कि यह तकनीक अब बॉर्डरलेस वर्ल्ड (सीमाहीन दुनिया) में उपलब्ध है। आप नेट को कैसे नियंत्रित करते हैं? इस पर इतनी निगरानी नहीं रख सकते। आखिरकार, नेट की स्वतंत्रता खो जाएगी। इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है कि इसमें संतुलन कारक शामिल हो। आपको एक ऐसे समाधान पर पहुंचना होगा जो सभी हितों को संतुलित करता हो।

दुरुपयोग पर जवाबदेही जरूरी

कोर्ट ने यह भी कहा कि डीपफेक और एआई का कुछ डोमेन में लाभकारी उपयोग भी है। कोर्ट ने कहा कि जब वे फिल्में बनाते हैं, खासकर युद्ध फिल्में तो डीपफेक बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक व्यक्ति के साथ वह उस व्यक्ति की 1000 डुप्लीकेट दिखाते हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील मनोहर लाल ने कहा कि अदालत कम से कम कुछ दिशानिर्देश जारी कर सकती है, ताकि डीपफेक या एआई तकनीक का दुरुपयोग करने वाली निजी पार्टियों को जवाबदेह ठहराया जा सके। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि वेबसाइटों से यह खुलासा करने के लिए कहा जा सकता है कि उनकी सामग्री एआई द्वारा कब तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी वेबसाइटों को अवैध सामग्री उत्पन्न करने से भी रोका जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि केंद्र सरकार को डेटा गोपनीयता (डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम) पर एक कानून लाने में सात साल का लंबा समय लगा और एआई के दुरुपयोग के मुद्दे को इतने लंबे समय तक अनियमित नहीं छोड़ा जा सकता है।

खबर संक्षेप

डाकघरों का निजीकरण नहीं होगा: वैष्णव

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि डाकघरों का निजीकरण नहीं किया जाएगा। वैष्णव ने राज्यसभा में डाक घर विधेयक 2023 पर हुयी चर्चा का जबाव देते हुए कहा कि कुछ सदस्यों ने डाकघरों के निजीकरण की आशंका है।

राजस्थान में महाधिवक्ता ने दिया इस्तीफा

जयपुर। अशोक गहलोत के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद महाधिवक्ता रहे महेंद्र सिंह सिंघवी ने भी इस्तीफा दे दिया है। सिंघवी ने सोमवार को राजभवन जाकर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाक़ात की और महाधिवक्ता पद से अपना इस्तीफा सौंपा।

दौड़ लगाने निकली नाबालिग से दुष्कर्म

फिरोजपुर। छात्रा रोजाना सुबह दौड़ लगाती थी ताकि किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सके। आरोपी पहले से ही उस पर बुरी नजर रखे हुए थे। थाना ममदोट पुलिस ने सोमवार चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की तफ्तीश शुरू कर दी है। सभी आरोपी फरार हैं।

हर साल 150,000 लीडर्स को दिया जाएगा प्रशिक्षण

जयपुर। पीरामल ग्रुप ने आज पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप (पीएसएल) शुरु करने का ऐलान किया है। इस स्कूल का शिलान्यास जयपुर राजस्थान में किया गया। यह स्कूल समूह के फिलैंथ्रॉपिक विंग, पीरामल फाउंडेशन के तत्वावधान में शुरु किया जाएगा। इस पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप में अलग-अलग पांच विशेष स्कूल होंगे। इन स्कूलों के जरिए राज्य एवं सरकारी एजेंसियों के हर साल 150,000 से अधिक मिडल मैनेजर और सीएसआर पहलों एवं नॉन प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन के प्रोफेशनल्स यहाँ रहकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।इस स्कूल का शिलान्यास पीरामल ग्रुप के अध्यक्ष श्री अजय पीरामल, पीरामल ग्रुप की उपाध्यक्ष डॉ. स्वाति पीरामल और पीरामल फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री आदित्य नटराज, द्वारा किया गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, फाउंडेशन के युवा और महिला चेंजमेकर्स, कई व्यापारिक एवं विचारशील नेतृत्वकर्ताओं सहित 1000 से अधिक लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।32 एकड़ के क्षेत्र में फैला, पीरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप (पीएसएल) दिसंबर 2025 में शुरू होगा। इसे अपनी तरह के अनूठे शिक्षा संस्थान के तौर पर विकसति करने की परिकल्पना की गयी है। यह संस्थान यहां शिक्षा ग्रहण करने वालों के समग्र विकास को सक्षम बनाने पर केंद्रित होगा। परिसर में पांच विशेष स्कूल होंगे, जो सरकार की पहलों के साथ निकटता से जुड़ते हुए महत्वपूर्ण विकास क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करेंगे।

पीएम मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। पीएम मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की समृद्ध समुद्री विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीडियो हो रहा वायरल

मंत्री पीयूष गोयल ने शेयर किया राहुल गांधी का मोए-मोए मोमेंट

नई दिल्ली। देश में हुए हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को तेलंगाना छोड़कर बाकी सभी राज्यों में कड़ा झटका लगा है। भाजपा ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर हो रहे हैं। कई जगहों पर कांग्रेस नेताओं के लिए कई मीम भी वायरल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए एक मीम शेयर किया है। बीते दिनों कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी तथा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत का दावा किया था। संबोधन में उनकी जुबान फिसल गई और ये कह दिया कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी सरकार जा रही है। पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के इसी वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है- 'सच हुई राहुल की भविष्यवाणी।'

चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' का कहर चेन्नई और आसपास के इलाकों में देखने को मिला

तूफान ने लिया खतरनाक रूप, चेन्नई में बाढ़ जैसे हालात, कई इलाकों में भरा पानी, 2 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ चैन्नई

चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' ने खतरनाक रूप ले लिया है। इसका कहर चेन्नई और आसपास के इलाकों में देखने को मिल रहा है। यहां राज्य के कई जिलों में सोमवार को भी भारी बारिश हो रही है। इस कारण सड़कों पर पानी भर चुका है। एयरपोर्ट भी डूब चुका है। उड़ानें ठप्प हो गईं हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, कनाथूर में दिवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। दरअसल, तूफान के 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के समुद्र तट से टकराने की संभावना है। राज्य में लगातार भारी बारिश के कारण शहर के निचले और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के समुद्र तट से टकराएगा तूफान

समुद्र तट से लगे रेल एवं हवाई सेवाओं को रद्द किया

लगातार नजर रखी जा रही है

आईएमडी ने बताया कि तूफान बंगाल की खाड़ी से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है, जिस पर लगातार नजर रखी जा रही है। विभाग के अनुसार, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुंचने के बाद चक्रवात के फिर से मुड़कर उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। वहीं पांच दिसंबर को यह बड़े चक्रवाती तूफान के रूप में आंध्र प्रदेश के तट पर टकरा सकता है। विभाग के अनुसार, चक्रवात के कारण 6 और 7 दिसंबर को बंगाल के कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। जिसमें मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, परगना, कोलकाता, हावड़ा और हुगली शामिल हैं।

राहत एवं बचाव कार्य जारी

रिपोर्ट के अनुसार, नगर निगम के कर्मचारी शहर में जगह-जगह भरे पानी को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। चक्रवाती तूफान मिचौंग के प्रभाव के कारण

चेन्नई और आसपास के इलाकों चेंगलपेट, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर में रविवार देर रात से ही भारी बारिश हो रही है। अधिकारियों ने लोगों को घर में रहने की सलाह दी है। भारतीय मौसम विज्ञान (आईएमडी) के मुताबिक चक्रवाती तूफान 3 दिसंबर को रात साढ़े ग्यारह बजे पुडुचेरी से करीब 210 किलोमीटर, चेन्नई से 150 किलोमीटर और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित है। हालांकि बचाव के लिए प्रशासन व्यवस्था में जुटा हुआ है।

पीएम मोदी ने आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया

एनडीआरएफ की पर्याप्त तैनाती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चक्रवात 'मिचौंग' से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आंध्र प्रदेश के सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, 'नागरिकों की जान बचाना हमारी प्राथमिकता रही है। केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। एनडीआरएफ पहले से ही तैनात है तथा आवश्यकतानुसार और टीम को तैयार रखा गया है।'

चक्रवात 'मिगजॉम' के मंगलवार को आंध्र प्रदेश में तट को पार करने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण उत्पन्न स्थिति पर सोमवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टॉलिन, आंध्र प्रदेश के सीएम रेड्डी और पुडुचेरी के सीएम एन रंगास्वामी से बात की और उन्हें सभी आवश्यक केंद्रीय मदद का आश्वासन दिया। अमित शाह ने एक पोस्ट में कहा, 'चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण उत्पन्न चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति से निपटने के लिए किए गए उपायों का जायजा लिया। उन्हें जीवन सुरक्षित करने के लिए मोदी सरकार की ओर से सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

IPL ऑक्शन 2023

तारीख 19 दिसंबर

प्लेयर्स	भारतीय	विदेशी
1166	830	336

आईपीएल 2024 मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होगा

1166 प्लेयर्स ने कराया है रजिस्ट्रेशन; 25 की बेस प्राइस 2 करोड़

मुंबई (एजेंसी)। IPL 2024 की नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी। ऐसा पहली बार होगा, जब IPL का ऑक्शन देश से बाहर हो रहा है। IPL प्रशासन ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। इस बार पिछले साल की तुलना में टीमों के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 5 करोड़ रुपये ज्यादा होंगे।पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी के पास टीम के लिए 95 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी। इस बार टीम तैयार करने के लिए 100 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। साथ ही टीमों के पास पिछले सीजन यानी 2023 की बची हुई राशि भी होगी।

IPL ऑक्शन के लिए 1166 प्लेयर्स ने करवाया है रजिस्ट्रेशन-IPLऑक्शन के लिए 1166 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 830 भारतीय और 336 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नाम नहीं दिया। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, जेराल्ड कूट्जी और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी बड़े विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ियों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए के पार जा सकती है।

10 टीमों में 77 खिलाड़ियों की ही जगह खाली-टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे, जिनमें 30 विदेशी रहेंगे। टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं, हर टीम का पर्स इस बार 100 करोड़ रुपए का रहेगा। **25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए**-ऑक्शन में 25 प्लेयर्स की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, इनमें ऑस्ट्रेलिया के 7 और भारत के 4 खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज का वनडे में दूसरा सबसे बड़ा रन चेज इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया, होप ने 49वें ओवर की 4 गेंदों में 3 छक्के जड़े

एंटीगुआ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में कप्तान साई होप की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत जीत के साथ शुरुआत की है। कैरेबियन टीम ने एंटीगुआ में खेले गए पहले मुकाबले में ब्रिटिश टीम को 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 325 रन बनाए। 326 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कैरेबियन टीम ने 7 बॉल शेष रहते हुए 6 विकेट के नुकसान पर बना लिए और मैच को 4 विकेट से अपने नाम कर लिया।यह वेस्ट इंडीज का उनके इतिहास में दूसरा सबसे सफल पुरुष वनडे रन चेज भी था। इससे पहले कैरेबियन टीम ने 2019 में मालाहाइड में आयरलैंड के खिलाफ चेज करते हुए 5 विकेट पर 331 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने पावर प्ले में बनाए 78 रन-इंग्लैंड के ओपनर फिल साल्ट और विल जैक्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर 5.4 ओवर में 50 रन बना लिए। इंग्लैंड को पहला झटका 8.2 ओवर में गुडाकेश मोती ने साल्ट को कैच आउट करा कर दिया। उस समय टीम का स्कोर 77 रन था। साल्ट 28 गेंदों पर 45 रन बनाए।वहीं इंग्लैंड को दूसरा झटका अल्जारी जोसेफ ने दिया। उन्होंने विल जैक्स को साई होप के हाथ कैच कराकर पवेलियन भेजा। जैक्स ने 24 गेंदों पर 26 रन बनाए।

इंग्लैंड ने 10 से 40 ओवर में 4 विकेट गवांए-इंग्लैंड ने 10 से 40 ओवर में 158 रन बनाने के साथ ही 4 विकेट गवांए। जबकि 40 से 50 ओवर के बीच 4 विकेट केवल 89 रन के अंदर गवां दिए। इंग्लैंड का तीसरा विकेट 110 रन पर गिरा। वहीं चौथे विकेट के लिए जैक क्राउली और हैरी ब्रूक ने 54 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड का पांचवां विकेट 191 रन पर गिरा। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 71 रन हैरी ब्रूक ने बनाए। वहीं जैक क्राउली इंग्लैंड के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 63 गेंदों पर 48 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के लिए मोती, थॉमस, शेफर्ड ने लिए 2-2 विकेट-वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती,ओशेन थॉमस और रोमारियो शेफर्ड ने 2-2 विकेट लिए। जबकि अल्जारी जोसेफ और यानिक कैरियो ने 1-1 विकेट लिए। **वेस्टइंडीज का पहला विकेट 104 रन पर गिरा**- 326 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। कैरेबियन टीम ने 10 ओवर तक बिना विकेट खोए 55 रन बना लिए। वेस्टइंडीज को पहला झटका 104 रन पर लगा। ओपनर एलिक अथानाजे 17.3 ओवर में रेहान अहमद की गेंद पर एलबीडब्ल्यु हो गए। अथानाजे ने 65 गेंदों पर 66 रन बनाए। वहीं वेस्टइंडीज को दूसरा झटका 106 रन पर लगा। जब दूसरे ओपनर ब्रैंडन किंग भी लियम लिविंगस्टन की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 44 गेंदों पर 35 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान साई होप ने 83 गेंदों पर नाबाद 109 रन की पारी खेली। उन्होंने 49 वें ओवर में 3 छक्के जड़े। उन्होंने 49 वें ओवर में सैम करन की पहली गेंद पर 1 रन बनाए। दूसरी गेंद पर छक्का जड़ा।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया महिला टीमों के भारत दौरे पर प्रशंसकों को स्टेडियम में निशुल्क प्रवेश

नई दिल्ली। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला क्रिकेट टीम के आगामी मुकाबलों के दौरान यहां के वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम में प्रशंसकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। इंग्लैंड की महिला टीम का भारतीय दौरा छह दिसंबर को तीन मैचों टी20 श्रृंखला के साथ शुरू होगा। इसके दो अन्य मैच नौ और 10 दिसंबर को खेले जायेंगे।इससे पहले भारत 'ए' महिला टीम इंग्लैंड 'ए' के खिलाफ बुधवार को शुरू होने वाले तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भिड़ेगी। यह सभी मैच शाम सात बजे से वानखेड़े स्टेडियम में खेले जायेंगे।मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के सचिव अजिंक्य नाइक ने कहा, '' एमसीए अध्यक्ष अमोल काले और शीर्ष परिषद ने महिला क्रिकेट के समर्थन को प्रोत्साहन देने के लिए सर्वसम्मति से यह फैसला लिया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रशंसकों के लिए निःशुल्क प्रवेश रखने से स्टेडियम भरे रहेंगे और यह टी20 क्रिकेट के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को भी दर्शाएगा।''भारतीय टीम इसके बाद 14 से 17 दिसंबर तक इंग्लैंड के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम मेंटेस्ट मैच खेलेगी।

सलमान बट को पीसीबी सिलेक्शन कमेटी से हटाया

एक दिन पहले वहाब रियाज के सलाहकार बने थे, विवाद बढ़ा तो हटाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। स्पॉट फिक्सिंग के मामले में 5 साल का प्रतिबंध झेल चुके सलमान बट को पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सिलेक्शन कमेटी से हटा दिया गया है। शनिवार रात टीम के चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज ने खुद इसकी जानकारी दी।एक दिन पहले सलमान बट को वहाब रियाज का सलाहकार बनाया गया था। उसके बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स बट को सिलेक्शन कमेटी में शामिल करने की आलोचना कर रहे थे। ऐसे में पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने बट को सिलेक्शन कमेटी से हटाने का फैसला लिया।

विवाद क्यों हुआ?

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान सलमान बट को नेशनल सिलेक्शन कमेटी में जगह दी है। ऐसे में क्रिकेट जगत में सलमान बट को सिलेक्शन कमेटी में शामिल किए जाने की आलोचना होने लगी।

बट पर 2010 में लगा था 5 साल का बैन-सलमान बट पर 2010 में इंग्लैंड के साथ हुए मैच में फिक्सिंग के कारण 5 साल का बैन लगा, जो 2015 में खत्म हुआ। उन्होंने 2016 में घरेलू क्रिकेट में वापसी की और काफी सफल रहे, लेकिन राष्ट्रीय टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके।

बट ने पाकिस्तान से 33 टेस्ट खेले-सलमान बट ने पाकिस्तान के लिए 33 टेस्ट मैचों में 30.47 की औसत से 1889 रन बनाए हैं। उन्होंने 78 वनडे मैचों में 36.33 की औसत से 2725 रन बनाए हैं। जबकि 24 टी-20 मैचों में 28.33 की औसत से 595 रन बनाए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 7 IPL मैच भी खेले हैं, इनमें वे 193 रन ही बना सके।

वनडे वर्ल्ड कप के बाद हुए हैं बदलाव-वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में काफी बदलाव हुए हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। जिसके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी। टेस्ट टीम की कप्तानी अब शान मसूद को सौंपी गई है। जबकि टी-20 इंटरनेशनल की कमान शाहीन शाह अफरीदी को सौंपी गई। वहीं मोहम्मद हफीज को क्रिकेट डायरेक्टर नियुक्त किया गया।

डेविड वॉर्नर के संन्यास से ऑस्ट्रेलियाई टीम में होगा बड़ा फेरबदल, हेड कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने दिया हिंट

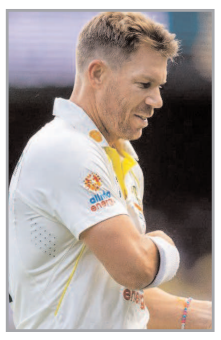

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने संकेत दिया है कि डेविड वॉर्नर के जनवरी में टेस्ट से संन्यास के बाद बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करते हुए कैम ग्रीन को टीम में शामिल किया जा सकता है। मैक्डोनाल्ड ने स्थानीय रेडियों से बातचीत मे यह बात कही। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ग्रीन एक पीढ़ीगत प्रतिभा बने हुए हैं और ऐसा विश्वास है कि वह बाहर नहीं होंगे। बशर्ते कि पाकिस्तान सीरीज के दौरान चोटें न लगें और मिचेल मार्श के शरीर पर काम के बोझ पर कुछ सवालिया निशान बने रहें। पहली रिक्ति वॉर्नर की टेस्ट से संन्यास के बाद आ सकती है, जिसे उन्होंने जनवरी की शुरुआत में एससीजी टेस्ट के लिए निर्धारित किया है। ऐसा माना जा रहा है कि वॉर्नर के स्थान पर कैमरन बैनक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस या मैट रेनशॉ में से एक टीम में शामिल किया जा सकता है लेकिन मैकडॉनल्ड्स ने पिछले अवसरों का हवाला देते हुए कैम ग्रीन की बात कही है।उन्होंने कहा, टेस्ट टीम में कैम ग्रीन का भविष्य कैसा दिखता है। क्या यह मिच के हटाने का इंतजार करने का मामला है या क्या समय के साथ कोई और स्थान बन सकता है। उन्होंने अपने अधिकांश टेस्ट क्रिकेट में छठे क्रम पर बल्लेबाजी की है, लेकिन वह वेस्ट ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार नंबर 4 रहे हैं और शील्ड क्रिकेट में उनका औसत 50 के करीब है। कोच ने कहा, ÷हमेशा यह विचार होता है कि आप संभावित रूप से अपने सर्वश्रेष्ठ छह बल्लेबाजों या जिन्हें आप सर्वश्रेष्ठ छह बल्लेबाजों के रूप में देखते हैं, उनको एक निश्चित क्रम में रखने के लिए लिए बल्लेबाजी क्रम को बदल सकते हैं ।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बेन स्टोक्स की हुई सफल सर्जरी, अब रिहैब में बहाएंगे पसीना

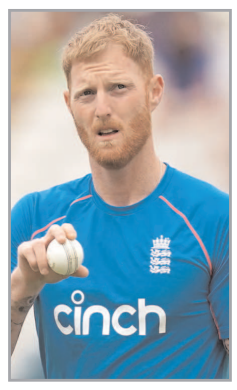

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के घुटने की सफल सर्जरी हो गई है। स्टोक्स ने इसकी जानकारी खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक फोटो शेयर करते हुए दी है। सर्जरी की प्रक्रिया पूरा होने के बाद यह हरफनमौला अब रिहैब में पसीना बहाएगा। स्टोक्स को पूरी तरह से फिट होने में 5 से 7 हफ्ते का समय लग सकता है। ऐसे में वह भारत के खिलाफ जनवरी 2024 में होने वाली 5 मैच की टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। सीरीज का पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा।बेन स्टोक्स पिछले कुछ समय से अपने घुटने की चोट से परेशान चल रहे थे। इस चोट के चलते ही वह मैदान पर अपना शत प्रतिशत भी नहीं दे पा रहे थे, जिस वजह से कहा जा रहा था कि वह भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं, मगर अब सर्जरी के बाद उनके खेलने के पूरे-पूरे चांस हैं।32 साल के स्टोक्स को हाल ही में उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने रिलीज कर दिया है। स्टोक्स टीम को अपना शत प्रतिशत नहीं दे पा रहे थे।हाल ही में हुए वर्ल्ड कप 2023 में भी वह बतौर बल्लेबाज ही खेलेंगे। अपने घुटने की चोट के चलते वह गेंदबाजी नहीं कर पा रहे थे। बता दें, वर्ल्ड कप 2023 के लिए स्टोक्स ने अपना रिटायरमेंट वापस लेने का फैसला किया था।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में भी वह घुटने की चोट से परेशान थे। पहले दो टेस्ट में उन्होंने मात्र 29 ओवर गेंदबाजी की थी।

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने WBBL (विमेंस बिग बैश) का नौवां सीजन जीत लिया हैं

लगातार दूसरी बार विमेंस बिग बैश लीग जीता एडिलेड स्ट्राइकर्स

रोमांचक फाइनल में ब्रिस्बेन हीट को 3 रन से हराया; अमांडा ने लिए 3 विकेट

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने WBBL (विमेंस बिग बैश) का नौवां सीजन जीत लिया हैं। एडिलेड में खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम ने ब्रिस्बेन हीट को 3 रन से हराया।एडिलेड स्ट्राइकर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी चुनी और सीमित 20 ओवर में 5 विकेट खो कर 125 रन बनाए। जवाब में ब्रिस्बेन हीट 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रन ही बना सका। एडिलेड का यह लगातार दूसरा WBBL खिताब है। टीम ने पिछले सीजन फाइनल में सिडनी सिक्सर्स को हरा कर अपनी पहला WBBL जीता था। बल्लेबाजी में एडिलेड की ओर से लौरा वुलवार्ट ने 39 रन बनाए। वहीं, गेंदाबाजी में

अमांडा जेड वेलिंगटन ने 3 विकेट लिए।

रोमांचक हुआ मुकाबला, आखिरी ओवर में 13 रन डिफेंड किए-आखिरी ओवर में जीत के लिए हीट को 13 रनों की जरूरत थी, ऐसे में मैच किसी भी तरफ जा सकता था। लेकिन अंत में, अमांडा-जेड वेलिंगटन ने हीट बैटर्स को रन बनाने नहीं दिए। आखिर में 13 रन डिफेंड करने के साथ वेलिंगटन प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

लॉरा वोल्वार्ट और ताहिलीया मैक्ग्रा ने 120 पार पहुंचाया-एडिलेड ने पहले बल्लेबाजी की। टीम की ओर से लॉरा वोल्वार्ट और कप्तान ताहिलीया मैक्ग्रा ने क्रमशः 39 और 38 रन बनाकर स्ट्राइकर्स को 125 रन के स्कोर तक पहुंचाया। वोल्वार्ट और मैक्ग्रा को छोड़कर, स्ट्राइकर के किसी भी बल्लेबाज को परिस्थितियों का अंदाजा नहीं था। इनके अलावा, कैटी मैक 3, ब्रिजेट पैटरसन 11 और मैडेलीन पैना 9 रन बना कर आउट हुए। जॉर्जिया एडम्स 6 रन और अमांडा वेलिंगटन 9 रन बना कर नाबाद रहे। हीट से बॉलर निकोला हैनकॉक ने और 5.75 की इकोनॉमी से रन दे कर 3 विकेट लिए। वहीं, जैस जॉनासन और जॉर्जिया वॉल को 1-1 विकेट मिले। स्ट्राइकर्स ने सीमित 20 ओवर में 5 विकेट खो कर 125 रन बनाए। हीट ने 125 रन का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

वनडे और टी-20 में ऐडन मार्करम करेंगे कप्तानी; टेस्ट में टेम्बा बावुमा को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ 10 दिसंबर से खेले जाने वाले तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान हो गया है। वनडे और टी-20 में ऐडन मार्करम और टेस्ट में टेम्बा बावुमा कप्तानी करेंगे।साउथ अफ्रीका ने अपने वनडे कप्तान बावुमा और तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए आराम दिया है। बावुमा की गैरमौजूदगी में टी-20 कप्तान मार्करम वनडे टीम की भी कप्तानी करेंगे। जेराल्ड कूट्जी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी पहले दो टी-20 में ही खेलेंगे।10 दिसंबर से शुरू होने जा रहे इस दौरे पर टीम इंडिया को 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए टीम 6 दिसंबर को रवाना होगी।

स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह-बैटर ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। हेनरिक क्लासन को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। पीठ की चोट से जूझ रहे तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्या अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं और वह चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

तीनों फॉर्मेट के लिए साउथ अफ्रीका टीम-टी-20 टीम- ऐडन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, जेराल्ड कूट्जी (पहला और दूसरा मैच), डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा मैच), हेनरिक क्लासन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा मैच), एंडिल फेलुक्वायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाड विलियम्स।

वनडे टीम- ऐडन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासन, केशव महाराज, मिहलाली पोंगवाना, डेविड मिलर, वायन मुल्डर, एंडिल फेलुक्वायो, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डसन, काइल वेरियन और लिजाड विलियम्स।

टेस्ट टीम- टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, जेराल्ड कूट्जी, टोनी डी जोरजी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, ऐडन मार्कराम, वायन मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरियन।

सूर्यकुमार यादव ने भी नहीं तोड़ा धोनी का सालों पुराना ट्रेंड, सीरीज जीतने के बाद इन्हें थमाई ट्रॉफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सालों पहले सीरीज जीतने के बाद युवाओं को ट्रॉफी के साथ जश्न मनाने देने का ट्रेंड शुरू किया था। धोनी के बाद कई कप्तान बदले मगर यह ट्रेंड किसी भी कप्तान ने टूटने नहीं होने दिया। माही के बाद लंबे समय तक विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टीम की अगुवाई की वहीं बीच-बीच में हार्दिक पांड्या, अजिंक्या रहाणे के साथ कई और कप्तानों को भी कुछ सीरीज में टीम को लीड करने का मौका मिला। कप्तान बदलते रहे मगर धोनी द्वारा शुरू किया गया ये ट्रेंड कभी नहीं टूटा। रविवार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज को 4-1 से जीतने के बाद सूर्यकुमार यादव ने भी इस प्रथा को जारी रखा। बता दें, सूर्यकुमार यादव को इस सीरीज में पहली बार टीम की अगुवाई करने का मौका मिला था।सूर्या ने सीरीज जीतने के बाद टीम में शामिल युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह और जितेश शर्मा को ट्रॉफी उठाने का अवसर दिया। बीसीसीआई ने इस शानदार पल का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, फैंस इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं।सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में इस सीरीज के लिए एक युवा टीम चुनी गई जिसकी अगुवाई करने का मौका सूर्यकुमार यादव को मिला। जब सीरीज शुरू हुई तो हर कोई प्लेइंग 11 को लेकर चिंतित था। दरअसल, हर खिलाड़ी ने आईपीएल व डोमेस्टिक क्रिकेट में अच्छा किया है, ऐसे में पहले 11 में किसे चुने यह बड़ा मुश्किल सवाल था। विशाखापट्टनम से शुरू हुई इस सीरीज पहले दो मुकाबले जीतकर भारतीय युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाया। हालांकि इसके बाद तीसरे मुकाबले में जरूर ग्लेन मैक्सवेल की शतकीय पारी के चलते भारत को हार का सामना करना पड़ा। टीम इस हार से बैकफुट पर नहीं गई, बल्कि ऑस्ट्रेलिया पर और कड़ा प्रहार करते हुए अगले दो मैचों में जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम की। इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों से लेकर विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में भारतीयों का जलवा रहा। ऋतुराज गायकवाड़ 223 रनों के साथ सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, वहीं रवि बिश्नोई ने सर्वाधिक 9 विकेट चटकाए।

नए जिलों में बीजेपी को पिछली बार से दोगुनी सीटें

17 में से 8 जगह कांग्रेस का खाता नहीं खुला, 51 सीटों में बीजेपी को 29, कांग्रेस को 20 सीटें

जयपुर (कासं)। चुनावी साल में नए जिले बनाने का कांग्रेस को फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ा है। नए जिलों की 51 सीटों में बीजेपी को 2018 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस की सीटें कम हो गई हैं। नए जिलों की 51 सीटों में से बीजेपी ने इस बार 29 सीटें जीती हैं, कांग्रेस 20 सीटों पर और 2 सीटें निर्दलीयों ने जीती हैं। 2018 में 51 सीटों में से 26 सीट कांग्रेस, 15 बीजेपी, 5 निर्दलीय, 4 बसपा और एक पर निर्दलीय जीते थे। 17 में से आठ नए जिलों में तो कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। गहलोत सरकार ने चुनावी साल में नए जिले बनाकर उनका खूब प्रचार प्रसार किया था। चुनावी नतीजों से साफ है कि नए जिलों से कांग्रेस को फायदे की जगह नुकसान उठाना पड़ा है।

इन आठ नए जिलों में कांग्रेस का खाता नहीं खुला

आठ नए जिलों में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली है। कोटपूतली-बहरोड़ में चार, शाहपुरा में दो, ब्यावर में तीन, फलौदी में दो, दूदू, केकड़ी, सलूंबर में एक-एक सीट हैं। इनमें कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

51 में से 29 सीटों पर बढ़ा था वोटिंग प्रतिशत

प्रदेश में बने नए जिलों में हुई वोटिंग ने ही सियासी रुझान दे दिए थे। 51 में से 29 सीटों पर 2018 की तुलना में वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई। नए जिलों की 22 सीटों पर वोटिंग प्रतिशत 2018 से कम हुआ था।

जयपुर ग्रामीण जिला : कांग्रेस को 5 सीटों का फायदा, बीजेपी को एक सीट का नुकसान जयपुर ग्रामीण जिले की 7 सीटों में से इस बार 5 कांग्रेस 2 बीजेपी ने जीती है। 2018 में यहां 3 बीजेपी, 2 कांग्रेस और 2 निर्दलीय थे। इस बार कांग्रेस को पांच सीटों का फायदा हुआ है।

कोटपूतली-बहरोड़ : जिले की सभी 4 सीटें हारी कांग्रेस, पिछली बार तीन सीट जीती थीं

कोटपुतली-बहरोड़ जिले में 4 सीटें हैं। चारों सीटों पर कांग्रेस हार गई है। 2018 में यहां बीजेपी का खाता नहीं खुला था। कांग्रेस ने तीन सीट जीती थीं। एक सीट निर्दलीय ने जीती थी। इस बार यहां कांग्रेस का खाता नहीं खुला।

दूदू, केकड़ी, सलूंबर में कांग्रेस का खाता ही नहीं खुला

कांग्रेस नए बनाए गए तीन छोटे जिलों में भी हारी है। सीएम सलाहकार बाबूलाल नागर के दबाव में केवल एक उपखंड दूदू को जिला बनाया, लेकिन यहां से कांग्रेस हार गई। केकड़ी से पूर्व मंत्री रघु शर्मा और सलूंबर से रघुवीर मीणा चुनाव हार गए। पिछली बार सलूंबर से बीजेपी, केकड़ी से कांग्रेस और दूदू से निर्दलीय की जीत हुई थी।

डीडवाना-कुचामन : 5 सीट में 3 पर कांग्रेस 1 पर निर्दलीय, पिछली बार से 1 सीट का नुकसान-डीडवाना कुचामन जिले की पांच सीटों पर पिछली बार की तुलना में कांग्रेस को एक सीट का नुकसान हुआ है। ?इस बार कांग्रेस को 5 में से 3, बीजेपी को एक और एक सीट निर्दलीय को मिली है। 2018 में पांच में से चार सीट कांग्रेस और एक बीजेपी के पास थी।

अनूपगढ़ : 2 सीट में दोनों कांग्रेस ने जीती-अनूपगढ़ और रायसिंहनगर दोनों ही सीट पिछली बार बीजेपी ने जीती थी। इस बाद कांग्रेस ने इस पर जीत हासिल की है।

सांचौर : पिछली बार की तरह एक सीट-सांचौर में पिछली बार भी कांग्रेस को एक सीट मिली थी। इस बार भी एक ही सीट मिली है। पिछली बार कांग्रेस ने सांचौर सीट पर जीत हासिल की थी। अबकी बार रानीवाड़ा सीट पर जीत हुई है। इस बार सांचौर सीट निर्दलीय के खाते में गई।

नीमकाथाना : 4 में से कांग्रेस बीजेपी को 2-2 सीट, पिछली बार बीजेपी का खाता नहीं खुला था-नीमकाथाना में इस बार कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही 2-2 पर जीती है। पिछली बार यहां बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस तीन पर जीती थी। एक बसपा के खाते में आई थी। जो बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

डीग-कुम्हेर : तीनों सीट में कांग्रेस का खाता नहीं खुला, पिछली बार सभी सीटें कांग्रेस के पास-खैरथल-तिजारा : 3 में से 2 सीट पर कांग्रेस जीती-खैरथल-तिजारा में 3 में से 2 सीट पर कांग्रेस जीती है। वहीं, एक सीट बीजेपी को मिली है। पिछली बार कांग्रेस सिर्फ एक सीट पर जीती थी। एक बीजेपी और दूसरी बसपा के खाते में गई थी।

बालोतरा: तीन में से दो सीट बीजेपी एक कांग्रेस जीती, 2018 में कांग्रेस दो और बीजेपी एक पर थी

फलोदी: दोनों सीटों पर बीजेपी जीती

जोधपुर ग्रामीण: पांच में से चार सीटों पर बीजेपी, एक पर कांग्रेस जीती-जयपुर ग्रामीण की पांच सीटों में से बीजेपी ने चार पर जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस एक ही अपने नाम कर पाई। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने चार सीट जीती थीं। एक आरएलपी के खाते में गई थी.

ब्यावर: कांग्रेस का खाता नहीं खुला-ब्यावर में तीनों सीटें बीजेपी ने जीती है। यहां कांग्रेस का खाता नहीं खुला। 2018 में कांग्रेस ने एक सीट जीती थी।

गंगापुर: तीनों सीटों पर कांग्रेस जीती, पिछली बार दो जीती थी

शाहपुरा: दोनों सीटों पर बीजेपी जीती

यूटीएस ऑन मोबाइल एप यात्रियों के बीच हो रहा लोकप्रिय

नवम्बर माह में 50 हजार से अधिक टिकट बुक, 4 लाख से अधिक लोगों ने यात्रा की, यात्रियों को लंबी कतार से मिली राहत

गंगापुर सिटी। रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए शुरु की गई यूटीएस मोबाइल एप से ऑनलाइन अनारक्षित टिकट की सुविधा अब यात्रियों के बीच लोकप्रिय हो रही है। पश्चिम मध्य रेल में तीनों मण्डलों के वाणिज्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के चलते नवम्बर माह में यूटीएस एप से बुक कुल 51 हजार 700 टिकटों से 4 लाख 367 यात्रियों ने यात्रा की। इसमें रेलवे को 66 लाख 96 हजार 435 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलॉइज यूनियन पदाधिकारी नरेंद्र जैन ने बताया कि स्टेशनों पर लंबी लाइन से बचने के लिए रेलवे द्वारा शुरु की गई यूटीएस ऑन मोबाइल एप सर्विस के तहत पश्चिम मध्य रेल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन जनरल टिकट के लिए यूटीएस मोबाइल एप की सुविधा दी जा रही है। यात्रियों के बीच इस एप की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ अनारक्षित टिकट लेने के आंकड़ों में भी काफी इजाफा हुआ है। जबलपुर मंडल में इस एप के माध्यम से नवम्बर माह के दौरान

अब तक कुल 15,086 बुक टिकट से 2 लाख 21 हजार 3 यात्रियों ने यात्रा की। इसमें रेलवे को 24 लाख 8 हजार 165 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। भोपाल मंडल में भी इस एप के माध्यम से नवम्बर माह में कुल 15,514 बुक टिकट से 1 लाख 2 हजार 275 यात्रियों ने यात्रा की। इसमें रेलवे को 20 लाख 34 हजार 465 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार कोटा मंडल में भी यूटीएस मोबाइल एप के द्वारा नवम्बर माह में कुल 21,100 बुक टिकट से 77 हजार 89 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 22 लाख 53 हजार 5 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। जैन ने बताया कि यह एप ,ndroid एवं IOS दोनों ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है यानि इस एप का उपयोग Android एवं IOS आधारित मोबाइल पर किया जा सकता है। इसका उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता को पहले यह एप प्ले स्टोर या एप स्टोर से डाउनलोड करना होगा। डाउनलोड करने के बाद इसमें उपयोगकर्ता को अपना पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के लिए उपयोगकर्ता को मोबाइल नंबर, नाम, पासवर्ड, जेंडर, जन्मतिथि एवं पहचान पत्र आदि की आवश्यकता होगी। पंजीकरण के बाद उपयोगकर्ता इस एप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक कर सकते हैं।

इस यूटीएस ऑन मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से यात्रा टिकट, प्लेटफार्म टिकट, मासिक (MST), त्रैमासिक (QST), अर्द्धवार्षिक (HST) एवं वार्षिक सीजन टिकट (YST) बनाई जा सकती हैं। इन सीजन टिकटों का नवीनीकरण भी किया जा सकता है। यह एप जियोफ़ेंसिंग आधारित एप है। ऐसे में टिकट बुकिंग के लिए ट्रैक एवं स्टेशन परिसर से करीब 20-50 मीटर की दूरी से ही टिकट बुक करें।

यूटीएस ऑन मोबाइल एप के माध्यम से टिकट बुक करने से यात्रियों को प्रोत्साहन एवं सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही यात्रियों को काउंटर टिकट की लाइन में लगने से निजात मिल रही है। इस एप पर किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से संपर्क कर सकते हैं। रेल प्रशासन ने अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे मोबाइल टिकटिंग एप पर यूटीएस के उपयोग को बढ़ावा दें और उपयोग से जुड़े हितों का लाभ उठाएं।

कोटा मंडल सहित पमरे में नवंबर माह में 74 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

गंगापुर सिटी। पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) मुख्यालय में 30 नवम्बर 2023 को प्रमुख मुख्य भंडार प्रबंधक दीपचंद अहिरवार सहित कोटा, जबलपुर, भोपाल मण्डल एवं दोनों कारखानों में मिलाकर 74 रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए।

पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 30 नवम्बर 2023 को पमरे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने सेवानिवृत्त हो रहे प्रमुख मुख्य भंडार प्रबंधक दीपचंद अहिरवार के अधिवार्षिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल प्रदान किए।

उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गई। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक आर. एस. सक्सेना, प्रमुख वित्त सलाहकार नवल किशोर श्रीवास्तव एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) दीपक कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत होने वालों में मुख्यालय में 01 कर्मचारी, जबलपुर मंडल में 18, भोपाल मण्डल में 16, भोपाल कारखाना में 05, भोपाल निर्माण यूनिट में 04, कोटा मण्डल में 21 रेल कर्मचारियों, कोटा कारखाना में 06, एवं कोटा निर्माण यूनिट में 02 रेल कर्मचारियों सहित पमरे में कुल 74 रेल कर्मियों की सेवानिवृत्ति हुई।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनायें दी गईं।

विश्व एड्स दिवस पर शॉर्ट फिल्म 'जिद्दी' की स्क्रीनिंग

अरावली मोशंस व मनसंचार की ओर से डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग का आयोजन किया

जयपुर। अरावली मोशंस सोसायटी व मनसंचार समूह की ओर से मानसरोवर स्थित अनुकंपा परिसर के कलाकार फैक्ट्री स्टूडियो में शॉर्ट फिल्म 'जिद्दी' की स्क्रीनिंग आयोजित की गई। ये फिल्म एड्स की रोकथाम पर आधारित है जिसके माध्यम से समाज को जागरुक करने का प्रयास किया गया है।

दरअसल, यह फिल्म इस वर्ष के वर्ल्ड एड्स डे की थीम लैट कम्यूनिटीज लीड को आधार रखकर बनाई गई है। इस थीम को चुनने का उद्देश्य भी यही है कि समाज एड्स के प्रति जागरूक बने। साथ ही इसे बनाने का एक अन्य उद्देश्य उन लोगों की भी सराहना करना है जिन्होंने किसी भी रूप में एड्स के बचाव में सहयोग प्रदान किया है।

फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद यहां मौजूद लोगों ने स्क्रिप्ट, एक्टिंग, डॉयलाग व फिल्म द्वारा दिए गए मैसेज पर परिचर्चा की। फिल्म आयाम के प्रमुख डॉ. अरुण सिंह ने चर्चा का सार बताया। इस अवसर पर मनसंचार समूह की डॉ. गायत्री, भव्या व अपूर्व भी उपस्थित रहे। संचालन अरावली मोशंस के निदेशक दिवस गौड़ ने किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1998 से ही हर साल यूएनओ की ओर से 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जिला पुलिस के निर्देशन में विभिन्न मामलो में 11 जनो को किया गिरफ्तार

गंगापुर सिटी। जिला पुलिस ने विभिन्न मामलों में 11 जनों को गिरफ्तार किया। कोतवाली थानाधिकारी शिवलहरी के निर्देशन में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कपूरचन्द पुत्र किशनलाल कोली निवासी डीएस स्कूल के पास नसिया कॉलोनी, मुकेश पुत्र रामस्वरुप कोली निवासी सुभाष कॉलोनी, राकेश पुत्र अमर सिंह कोली निवासी सुभाष कॉलोनी को धारा 13 आरपीजीओ में गिरफ्तार किया। इसी प्रकार वजीरपुर थानाधिकारी श्रवणकुमार पाठक के निर्देशन में अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए टोल नाका सेवा व श्यारौली के बीच नाकाबंदी के दौरान टेम्पो आरजे-25- जीए-6749 को चैक किया। जिसमें 220 पेटी देसी शराब के कार्टून पकड़े। चालक टीकमसिंह उर्फ कुम्हेर पुत्र सरदार जाट निवासी माली मोहल्ला वजीरपुर को गिरफ्तार किया। साथ ही मय वाहन शराब को जब्त किया। जुआ खेलने वालों के पर कार्रवाई करते हुए मुकेश पुत्र परसादी बैरवा, दिलखुश पुत्र रमेश गाडिया लुहार, लवकुश पुत्र रनेश गाडिया लुहार, विजेन्द्र कुमार पुत्र सुखजी गाडिया लुहार निवासी वजीरपुर को धारा 13 आरपीजीओ में गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार थाना वजीरपुर गढ़मोरा ने शांति भंग के आरोप में 3 जनों को गिरफ्तार किया। जिसमें लखनसिंह पुत्र विशनलाल जाटव निवासी वजीरपुर को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना गढ़मोरा थानाधिकारी विरेन्द्रसिंह ने बताया कि बनवारी पुत्र सियाराम गुर्जर निवासी हंसा का डंडा चिरावण्डा, आजाद पुत्र रामकिशोर गुर्जर निवासी मोरा थाना गढ़मोरा को धारा 151 में गिरफ्तार किया गया है।

पमरे को त्यौहारी स्पेशल ट्रेनों से नवंबर माह में 5 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित

आठ माह में 266 स्पेशल ट्रेन से 35 करोड़ से अधिक का मिला राजस्व

गंगापुर सिटी। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इस त्यौहारी सीजन में कई पहल की। भारतीय रेल द्वारा देश में त्यौहार स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) में भी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। पमरे में चालू वित्तीय वर्ष अप्रैल से नवंबर यानि आठ माह में फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की 266 सेवाएं चलाई गईं।

इन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों से 03 लाख 88 हजार यात्रियों की टिकटें बुक कर रेलवे को 34 करोड़ 88 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इन आंकड़ों में अकेले नवंबर माह की बात करें तो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की 40 सेवाएं चलाई और 56 हजार यात्रियों की टिकटें बुक कर रेलवे को 5 करोड़ 14 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पमरे द्वारा भीड़ प्रबंधन तथा यात्रियों को सुविधा एवं सुरक्षा के लिए कदम उठाए गए।

तीनों मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर डॉग स्कवायड के साथ रेल सुरक्षा बल की तैनाती की गई। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टॉफ, वाणिज्य विभाग स्टॉफ एवं स्काउट एवं गाइड की तैनाती, स्टेशनों पर मे आई हेल्प यू/हेल्प डेस्क/सहयोग बूथ बनाया गया। प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए। चिकित्सा सहायता बूथ बनाए गए।

प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के साथ स्पेशल ट्रेनों/कोचों के संबंध में उद्घोषणा की गई ताकि यात्रियों को जनरल कोचों के स्थान और उस प्लेटफॉर्म के बारे में पता चल सका। लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनों में महिला एवं पुरुष एस्कॉर्ट तैनात किए गए।

जागरण मंच स्थापना दिवस व विकलांग दिवस पर किया अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन

गंगापुर सिटी। निशक्तजन जागरण मंच के तत्वावधान में विश्व विकलांग दिवस व मंच का स्थापना दिवस पंचायत समिति परिसर स्थित राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विकलांग विधवा महिलाओं को गर्म शॉल का वितरण किया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अमजद खान, तहसील अध्यक्ष जगदीश बैरवा, सचिव शैलेंद्र, राहत खान, शहवाज खान, वेद प्रकाश बंसल, गोरीशंकर मीना, रेखा, रुकसाना, शमशाद, रजिया, हफीज, फिरोज, हामिद, पवन, नरेंद्र, जगदीश, अमन, नवल, योगेद्र प्रजापत, रामराज, गोपी, ममता, भोमा, गुड्डी, मक्खन, रजनलाल, विमला, राजेंद्र, सुक्को, गिर्राज,

गंगापुर सिटी। विकलांग दिवस व जागरण मंच के स्थापना दिवस पर गरीब दिव्यांगो को गर्म शॉल का वितरण करते अतिथि एवं अन्नकूट में पंगत प्रसादी पाते दिव्यांग।

गीता, मैनुद्दीन श्याम सुन्दर, ललिता, गुलाब देवी, कांजी, रफीक, संतो, लक्ष्मी नारायण आदि लोग मौजूद थे।

चुनाव में बेहतर कार्य करने पर स्काउट्स सम्मानित

कस्बा शहर। हाल ही संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में स्थानीय स्तर पर सराहनीय कार्य करने पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्काउट छात्रों को प्रधानाचार्य सूर्यभान मीणा ने सम्मानित किया। शारीरिक शिक्षक राहुल कुमार ने बताया कि स्कूल के स्काउट के छात्रों ने घर-घर पहुंचकर बुजुर्ग व दिव्यांगों को साधनों से लाकर तथा स्कूल मैदान से बूथ पर व्हीलचेयर पर बैठाकर मतदान कराने आदि कार्यों में विशेष सहयोग किया जोकि सराहनीय रहा। इस मौके पर व्याख्याता मानसिंह गुर्जर, अजय मीणा, रवि मीणा, राजेंद्र, बुधराम बैरवा आदि उपस्थित रहे।

भागवत श्रवण से पापों का नाश- कैलाश शास्त्री

गंगापुर सिटी। स्थानीय हाडौत्या कॉलोनी में चल रही भागवत कथा में सोमवार को प्रवचन करते हुए आचार्य कैलाशचंद शास्त्री ने कहा कि परमात्मा केवल प्रेम के भूखे है जो व्यक्ति सच्चे मन, आत्मा से भगवान की भक्ति में लीन रहते है उन्हें भगवान के निश्चित रूप से दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे बालक ध्रुव को नारद भगवान ने चतुर्भुज के दर्शन कराए थे उसी प्रकार भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए स्वयं नारायण ने प्रकट हो कर अधर्म का नाश किया।

उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य को जीवन भर सात्विक जीवन जीने का फल मिलता है एवं मानव जीवन शांति व समृद्धि को प्राप्त होता है। इस बीच कथा में प्रस्तुत भजनों पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। कथा श्रवण के लिए सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।

भागवत कथा में प्रवचन करते आचार्य कैलाश शास्त्री।

दिन दिहाड़े, सरे बाजार युवक पर बरसाई लाठियां

श्री गंगानगर, (कासं)। अनूपगढ़. शहर के तहसील परिसर में मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक पर चार पांच हमलावरों ने लाठियों से हमला कर दिया। हमलावर एक कार में सवार होकर आए थे। घायल युवक को लहू लुहान अवस्था में राजकीय चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि युवक पर हमला करने वाले लोग युवक के ससुराल पक्ष के लोग थे। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना के संबध में जानकारी जुटाई। घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। बताया जा रहा है कि युवक का अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा है जिसके चलते सोमवार को दोनों पक्षों में पंचायत चल रही थी। युवक पंचायत बीच में छोडकर मौके से चला गया और उसके पीछे ससुराल पक्ष के लोगों ने तहसील परिसर के पास घेर कर मारपीट की।

मुनेश गुर्जर ने तीसरी बार मेयर का पद संभाला

बीजेपी की जीत पर कहा- जीतने वाला सर्वश्रेष्ठ, मिलजुल कर करेंगे जयपुर का विकास

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद पिछले 74 दिनों से खाली चल रहे मेयर के पद को मुनेश ने फिर से संभाल लिया है। मुनेश गुर्जर ने अपने समर्थकों के साथ निगम ऑफिस पहुंचकर पद संभाला। इस दौरान मुनेश के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। नगर निगम मेयर का पदभार ग्रहण करने के बाद मुनेश गुर्जर ने कहा- सत्य का रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन मुश्किल नहीं है। यह जीत सत्य की जीत है। न्यायपालिका पर मुझे पूरा विश्वास था। ईश्वर पर मेरी आस्था थी। उसी का नतीजा है कि मुझे

तीसरी बार मेयर पद पर पदभार ग्रहण करने का मौका मिला है। इसलिए मैं यही कहना चाहती हूं कि सत्यमेव जयते।

मुनेश ने कहा- राजस्थान में नई सरकार आई है। जीतने वाला व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में हमारी जो भी कमियां रही है। उसका आकलन करेंगे। नई सरकार का असर नगर निगम बोर्ड पर नहीं रहेगा। पूर्ण बहुमत हमारे पास में है। सभी पार्षद मिलजुलकर जयपुर की सेवा के लिए काम करेंगे। इससे पहले भी हमने जयपुर के विकास में कोई कमी नहीं रखी है।

22 सितम्बर को दूसरी बार निलंबित-दरअसल, एसीबी ने 4 अगस्त 2023 को हेरिटेज निगम मेयर मुनेश गुर्जर के घर छापा मारा था। मेयर पति सुशील गुर्जर और दो दलालों को गिरफ्तार किया। सुशील पर पट्टे बनाने की एवज में 2 लाख की घूस मांगने का आरोप था। मेयर के घर सर्च में 40 लाख नकद मिले। इसके साथ ही एक दलाल के घर भी 8 लाख नकद बरामद हुए थे। 5 अगस्त को स्वायत्त शासन विभाग ने मुनेश गुर्जर को मेयर और पार्षद पद से निलंबित कर दिया। 23 अगस्त को मुनेश को कोर्ट से राहत मिली और मुनेश महापौर की कुर्सी पर फिर बैठ गईं। एक सितम्बर को राज्य सरकार ने मुनेश गुर्जर को निलम्बित करने का फैसला वापस ले लिया।

आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक मलिक और द्रुपद मलिक को मिली हाईकोर्ट से जमानत

जयपुर (कासं)। कांग्रेस सरकार में अजमेर की आनासागर झील पर नियम विरुद्ध बनाए गए सेवन वंडर्स को तुड़वाने के एनजीटी से आदेश कराने और कोटा रिवर फ्रंट को एनजीटी में चुनौती देने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक मलिक और उनके पुत्र द्रुपद मलिक को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। इन दोनों पिता-पुत्र को अजमेर नगर निगम के कमिश्नर सुशील कुमार की एक शिकायत पर सरकार ने गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। निगम कमिश्नर सुशील कुमार का आरोप था कि इन्होंने जून में उनका फोन हैक करके उच्चाधिकारियों को उनके नाम से फोन किए और उनसे अभद्रता की थी। सुशील कुमार ने करीब 2 महीने बाद पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

14 साल के बच्चे ने किया सुसाइड!

बीकानेर (कासं)। 14 साल के बच्चे ने दो दिन पहले बीकानेर के जयपुर रोड स्थित मकान पर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस अब इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इतने छोटे बच्चे ने सुसाइड का कदम क्यों उठाया? इसकी जांच हो रही है। जयपुर रोड पर स्थित खाटूश्याम मंदिर के पास श्याम नगर में रहने वाले राजेंद्र सिंह शेखावत ने इस संबंध में जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में मर्ग दर्ज कराई है। राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटे सिद्धार्थ ने घर के बरामदे में लगी तनी के हुक से अपना बेल्ट बांधा और फांसी लगा ली। पता चलने पर परिजन तुरंत पीबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com